RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 19 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 18 डिग्री

शनिवार 25 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06 :28 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 42 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 कांग्रेस पूरी तरह से राहुल पर निर्भर

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 17 | अंक : 008 | गाजियाबाद, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm
Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

कुरनूल बस दुर्घटना में 32 की मौत, बस में 41 यात्री सवार थे

✷ वेबवार्ता. कुरनूल आंध्रप्रदेश ✷

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक स्लीपर बस में आग लग गई। यह बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। एक दोपहिया वाहन से टकराने के बाद बस में आग लग गई, जिसमें 32 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।यह हादसा तड़के सुबह 4 बजे के करीब हुआ है। मृतकों में एक बाइक सवार भी शामिल है। इसकी जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस में लगभग 41 लोग सवार थे, जब मोटरसाइकिल बस से टकरा गई और उसका ईंधन कैप खुला होने के कारण बस के नीचे घिसट गई, जिससे आग लग गई।आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बीती रात एक स्लीपर बस में आग लग गई। इस घटना में 32 लोगों की मौत हो गई। हादसा आज सुबह करीब 4 बजे हुआ। मृतकों में बाइक सवार भी शामिल है।

घटना की जनकारी यहां एक पुलिस अधिकारी ने दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस में लगभग 40 से अधिक यात्री सवार थे, जब मोटरसाइकिल बस से टकरा गई और उसका ईंधन कैप खुला होने के कारण बस के नीचे घिसट गई, जिससे आग लग गई।घटना के बाद लोग बस का शीशा तोड़कर बस से कूद गए जिससे उनकी जान बच गई।

जो लोग अपनी जान बचाने में कामयाब नहीं हो सके उनकी जलकर मौत हो गई। ये दर्दनाक हादसा आज सुबह लगभग 3 बजे की है, जब एक बाइक से टक्कर और ईंधन के रिसाव होने के कुछ ही मिनटों बाद बस में आग लग गई।बस में सवार अतिरिक्त चालक के अनुसार, उन्होंने पहले आग बुझाने की कोशिश की और जब आग नियंत्रण से बाहह हो गई तो बाद में हमने बस के शीशे तोड़ने की कोशिश की।

राहगीरों ने भी कुछ शीशे तोड़ दिए। कुरनूल के एसपी ने बताया कि जो लोग बस से कूद गए थे, वे बच गए। जिला कलेक्टर के अनुसार, बस में दो चालकों सहित 41 लोग सवार थे। फिलहाल 32 यात्रियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। घटना के बाद चालक मौके से फरार हैं। आग लगने के बाद बस का दरवाज़ा बंद कर दिया गया था।

सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई है। घायलों को कुरनूल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस हादसे के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर इसकी जांच कर रही है।

मोदी ने कुरनूल बस हादसे पर शोक व्यक्त किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई एक बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में एक दुर्घटना में हुई मौतों से अत्यंत दुखी हूँ। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएँ प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।'

प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50-50 हज़ार रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि पीड़ितों को हर संभव सहायता और चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए। हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही एक निजी बस में आज तड़के साढ़े तीन बजे कुरनूल जिले के चिन्नातेकुरु गाँव के पास विपरीत दिशा से आ रही एक मोटरसाइकिल से टक्कर के बाद आग लग गई जिससे 25 से ज़्यादा यात्रियों की जलकर मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बस में 40 लोग सवार थे।

राहुल ने सीताराम केसरी को पुण्यतिथि पर किया नमन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी को 25वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय 24 अकबर रोड़ में श्री केसरी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री केसरी लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सीताराम केसरी 1996 से 1998 तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे। उनका 24 अक्टूबर 2000 को निधन हुआ था। श्री केसरी बिहार में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में से एक रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच श्री केसरी की पुण्यतिथि पर पिछले 25 साल में शायद पहला अवसर है जब श्री गांधी ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

विज्ञापन जगत के पुरोधा पीयूष पांडे का निधन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारतीय विज्ञापन जगत के पुरोधा और विश्व प्रसिद्ध विज्ञापन गुरू पीयूष पांडे का गुरूवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 70 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को होगा। पीयूष पांडे एक ऐसे दिग्गज का नाम है जिन्होंने अपनी दूरदर्शी प्रतिभा से विज्ञापन जगत को एक नया रूप दिया और विज्ञापन उद्योग पर एक अमिट छाप छोड़ी। जयपुर में जन्मे श्री पीयूष पांडे की शिक्षा दिल्ली के मशहूर सेंट स्टीफन कॉलेज से हुई थी और वह एक अच्छे क्रिकेट खिलाड़ी भी थे। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित श्री पांडे को भारतीय विज्ञापन जगत की अनूठी आवाज और पहचान के निर्माता के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया। लगभग चार दशकों के उनके शानदार करियर में ऐसे प्रतिष्ठित अभियान शामिल थे जो आज भी गहराई से गूंजते हैं।

मनीष गुप्ता आयरलैंड में भारत के नये राजदूत नियुक्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। घाना में भारतीय उच्चायुक्त मनीष गुप्ता को आयरलैंड में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को वक्तव्य जारी कर बताया कि श्री गुप्ता के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। श्री गुप्ता भारतीय विदेश सेवा के 1998 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं और अपने दो दशक से भी लंबे कार्यकाल के दौरान वह मॉस्को, ताशकंद, प्राग, कोलंबो, जकार्ता और वैंकूवर स्थित भारतीय मिशनों में कार्य कर चुके हैं।

राधाकृष्णन 26 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर सेशेल्स जायेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (वेब वार्ता)। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन सेशेल्स सरकार के निमंत्रण पर रविवार को सेशेल्स जायेंगे। विदेश मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री राधाकृष्णन इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान सेशेल्स गणराज्य के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉ पैट्रिक हर्मिनी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। नौ सितंबर को उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद श्री राधाकृष्णन की यह पहली विदेश यात्रा है। इस यात्रा के दौरान, उपराष्ट्रपति डॉ. हर्मिनी को भारत की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देंगे। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के बीच घनिष्ठ, दीर्घकालिक और मजबूत संबंधों की पुष्टि भी होगी। गौरतलब है कि सेशेल्स भारत के 'विज़न महासागर' और विकासशील देशों के प्रति देश की प्रतिबद्धता के तहत एक महत्वपूर्ण भागीदार है। उपराष्ट्रपति की यह यात्रा सेशेल्स के साथ अपनी साझेदारी को और मज़बूत एवं विस्तारित करने की भारत की गहरी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

चुनाव में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को मिलेगी जरूरी सुविधाएं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा और अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में होने वाले उपचुनावों के लिए मतदान के दिन न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित कराने के लिए प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं में पेयजल, प्रतीक्षालय, जल सुविधा, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, दिव्यांग मतदाताओं के लिए उचित ढलान वाले रैम्प, मानक मतदान कक्ष और उचित संकेतक शामिल हैं।

आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं की जागरूकता के लिए, सभी मतदान केंद्रों पर चार समान और मानकीकृत मतदाता सुविधा पोस्टर (वीएफपी) प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें मतदान केंद्र का विवरण, उम्मीदवारों की सूची, क्या करें और क्या न करें, अनुमोदित पहचान दस्तावेजों की सूची और मतदान प्रक्रिया की जानकारी शामिल होगी।

इसके अलावा प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सहायता बूथ (वीएबी) स्थापित किए जाएंगे, जहां बूथ श्तरीय अधिकारियों (बीएलओ)/कर्मचारियों की टीम मतदाताओं को संबंधित बूथ मतदाता सूची में मतदान केंद्र संख्या और क्रम संख्या ढूंढने में मदद करेगी। इसके साथ ही मतदाता सहायता बूथ पर प्रमुख संकेतक चिह्न लगे होंगे और मतदान परिसर में मतदाताओं के पहुंचने पर वे सुगमता से दिखेंगे।

जनपदों में होगी 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' की तैनाती, नए पद सृजित करने के लिए सीएम ने दिए निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल दिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलाश्तर पर कार्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

इन पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चश्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन एवं नए पदों के सृजन से संबंधित प्रश्तावों की समीक्षा कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा जिला श्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि तथा संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति के लिए अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रश्ताव को अपनी सहमति दी। उन्होंने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए।

एनडीए सरकार के लिए विकास सबसे बड़ी प्राथमिकता राजद ने बिहार को पलायन का अभिशाप दिया : नरेंद्र मोदी

✷ वेबवार्ता. बेगूसराय ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में उतरे और चुनावी रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने बेगूसराय में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए सरकार के लिए विकास सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जब औद्योगिकीकरण होगा तो नौकरियां भी आएंगी।

उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि जंगलराज ने फैक्ट्रियां बंद कर दी थीं और बेगूसराय और बरौनी को पीछे धकेल दिया था, लेकिन आज बेगूसराय औद्योगिक हब बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने जंगलराज को सुशासन में बदला और अब सुशासन को समृद्धि में बदलने का समय है। बेगूसराय में बड़े-बड़े शोरूम खुल रहे हैं। बरौनी रिफाइनरी में हजारों करोड़ का निवेश किया गया और यहां अब पेट्रोकेमिकल्स प्लांट बन रहा है। इससे छोटे उद्योग लगेंगे। उन्होंने कहा कि बरौनी का खाद कारखाना जंगलराज में बंद हो गया था।

इसके लिए गैस की जरूरत थी, गैस बिहार में नहीं थी। हमने गैस लाने की योजना बनाई। पश्चिम बंगाल से बिहार के लिए पाइपलाइन बिछाई ताकि नौजवानों को रोजगार मिल सके और किसानों को खाद मिल सके।

पीएम मोदी ने महागठबंधन को लठबंधन बताते हुए कहा कि महागठबंधन में एक-दूसरे की खाल खींच रहे हैं। इसमें झटक दल है, लटक दल है, पटक दल है, भटक दल है। ये लोग कैमरे के सामने आकर भले कुछ भी बोल लें।

राजद पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों ने जेएमएम को पटक दिया। लेफ्ट के दल को लटका दिया। राजद को बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार बताते हुए कहा कि ये कोर्ट से जमानत पर बाहर हैं। कांग्रेस की भी यही स्थिति है। बिहार ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं करता है।

कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए पीएम ने कहा कि कांग्रेस आज बिहार में राजद की पिछलग्गू है। उन्होंने बेगूसराय में लोगों से मोबाइल फोन निकालकर लाइट जलाने को कहा और फिर कहा कि जब लाइट है, तो लालटेन की क्या जरूरत है? पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में लालू राज के दौरान जंगलराज था, लोग शाम को बाहर आने से डरते थे। लेकिन जब 2005 में बिहार में एनडीए सरकार आई, तो बिहार में सुशासन की सरकार आई। आज बिहार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने नक्सलवाद समाप्त करने की भी बात कही।

बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने 67.79 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

महाराष्ट्र के नागपुर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने शुक्रवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 67.79 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों की कुर्की की घोषणा की। यह कार्रवाई कॉर्पोरेट पावर लिमिटेड और उसके प्रवर्तकों एवं निदेशकों मनोज जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, अभिषेक जायसवाल और अन्य के विरुद्ध की गयी है।

"अपराध की आय" (पीओसी) से अर्जित की गयी संपत्तियों में महाराष्ट्र, कोलकाता, दिल्ली और आंध्र प्रदेश में बैंक बैलेंस, जमीनें, इमारतें, फ्लैट और व्यावसायिक ठिकाने शामिल हैं।

ये संपत्तियां प्रवर्तक एवं निदेशक मनोज जायसवाल, उनके परिवार के सदस्यों, उनके द्वारा नियंत्रित शेल कंपनियों और उनके प्रमुख सहयोगी संतोष जैन के नाम पर हैं।

जिन्होंने पीओसी और उनके परिवार के सदस्यों के धन शोधन में सक्रिय रूप से भूमिका निभायी थी।

ईडी ने केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा कॉर्पोरेट पावर लिमिटेड, उसके प्रमोटरों, निदेशकों और अन्य के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर पीएमएलए जांच शुरू की थी।

शिखर से फिसला शेयर बाजार : बैंकिंग, फार्मा, FMCG में बिकवाली का जोर

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

पिछले कारोबारी सत्र में नये रिकॉर्ड श्तर पर पहुंचने के बाद शुक्रवार को मुनाफा वसूली के कारण घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक (0.41 प्रतिशत) टूटकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत गिरकर 25,795.15 अंक पर आ गया।

दोनों प्रमुख सूचकांकों की शुरुआत सुबह तेजी के साथ हुई थी, लेकिन खुलते ही वे लाल निशान में उतर गये।

इससे पहले, गुरुवार को सेंसेक्स 84,556.40 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 25,891.40 अंक पर बंद हुआ था जो दोनों का रिकॉर्ड श्तर है।

एफएमसीजी, बैंकिंग, फार्मा और ऑटो सेक्टरों की कंपनियों पर आज ज्यादा दबाव रहा। वहीं, धातु, तेल एवं गैस और रियलिटी सेक्टरों में तेजी देखी गयी। मझौली और छोटी कंपनियों में भी गिरावट रही।

निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.37 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.21 प्रतिशत लुढ़क गया। एनएसई में कुल 3,179 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,235 के शेयर हरे और 1,850 के लाल निशान में बंद हुए। अन्य 94 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर लाल निशान में रहे। उम्मीद से कमजोर तिमाही परिणाम के कारण हिंदुश्तान यूनीलिवर का शेयर सबसे अधिक 3.20 प्रतिशत टूट गया। अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.92 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.72, अडानी पोर्ट्स में 1.65, टाइटन में 1.57, एचडीएफसी बैंक में 1.41 और एक्सिस बैंक में 1.38 प्रतिशत की गिरावट रही।

इनके अलावा, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और इटरनल के शेयर भी लुढ़क गये।

भारती एयरटेल में सबसे अधिक 1.03 प्रतिशत की तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल, सनफार्मा और आईटीसी के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए।

सरकारी मकान खाली नहीं करने पर सीमा राज पर 21 लाख का जुर्माना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सेवानिवृत्त प्रधान आयकर महानिदेशक सीमा राज पर तय समय के बाद भी सरकारी आवास खाली नहीं करने पर 21,45,703 रुपये का जुर्माना (क्षतिपूर्ति) लगाया गया है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त प्रधान आयकर महानिदेशक सीमा राज को राजधानी के पंडारा पार्क स्थित टाइप-छह बी का सी-I/38 बंगला आवंटित किया गया था। श्रीमति सीमा राज 30 नवंबर 2024 को सेवानिवृत्त हो गईं।

नियम के मुताबिक सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की स्थिति में 06 महीने तक घर पर बने रहने की अनुमति है। जिसक अनुसार उन्हें 31 मई 2025 तक घर पर बने रहने की अनुमति दी गई थी। लेकिन श्रीमति राज इस अवधि के पांच महीने के बाद भी सरकारी संपत्ति पर अनधिकृत रूप से काबिज हैं।

अनधिकृत रूप से काबिज होने पर उनके खिलाफ पीपी अधिनियम के अंतर्गत बेदखली की कार्यवाही शुरू करने के लिए इस मामले को 12 जून को मुकदमा अनुभाग को भेज दिया गया। जिसके बाद संपदा अधिकारी ने 16 जून को कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसके बाद श्रीमती राज 23 जून को अपना पक्ष रखने के उपस्थित हुआ।

संपदा अधिकारी ने मामले को समझते हुए पीपी अधिनियम के अंतर्गत उसके विरुद्ध पांच अगश्त को बेदखली का आदेश पारित किया और 11 अगश्त को को पक्षकार को बेदखली का आदेश दिया गया। इन कार्रवाईयों के बावजूद श्रीमती राज ने अभी तक सरकारी आवास खाली नहीं किया है।

देश में पिछले दो वर्षों में 23 हाथियों का हुआ शिकार - आरटीआई

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। पिछले कई वर्षों से जानवरों के शिकार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे शहर के समाजसेवी डॉ रंजन तोमर की एक आरटीआई से कुछ चिंताजनक जानकारियां सामने आयी हैं , उन्होंने एक आरटीआई लगाकर वन्यजीव अपराध नियन्त्र ब्यूरो से कुछ सवाल पूछे थे , जिसके जवाब में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पहले सवाल में डॉ तोमर ने पूछा था की जनवरी 2024 से लेकर अबतक कितने हाथियों का शिकार देश में हुआ है , इसके जवाब में ब्यूरो का कहना है की 2023 -24 में कुल 9 हाथियों का शिकार हुआ जबकि 2024 -25 में 14 हाथियों का शिकार हुआ है , इससे साफ़ पता चलता है की हाथियों का शिकार पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बढ़ा है , हालाँकि पिछले दस वर्षों की तुलना में यह कम ज़रूर हुआ है किन्तु आज भी इतनी बड़ी संख्या में हाथियों जैसे इतने बड़े जानवर का शिकार हो जाना सरकारों पर बड़ा सवाल है। नेशनल पार्कों में भी हुआ शिकार - इस आई टी गठित ब्यूरो का आगे कहना है की शिकार और गैरकानूनी हाथी दांत के व्यापार के सम्बन्ध में मंत्रालय द्वारा एक विशेष एस आई टी का गठन हुआ है जो रैमोना राष्ट्रीय उद्यान में 31 /08 /2024 को हुए शिकार एवं बक्सा फारेस्ट डिविज़न में 26 /10 /2024 को हुए हाथियों के शिकार सम्बन्धी जांच करेगी। **अबतक नहीं बनी वेबसाइट**: डॉक्टर तोमर ने अगले सवाल में पूछा था की बाघों के लिए एक विशेष वेबसाइट बनाई गई है जिसपर बाघों के शिकार , उनकी शितथि , आदि की जानकारी आम जनता के साथ साझा की जाती है , डॉक्टर तोमर की मांग थी की हाथियों के लिए भी ऐसी वेबसाइट बनाई जाए ,जिसको मंत्रालय ने मान भी लिया था लेकिन अबतक वह नहीं बन पायी है , यह स्वयं ब्यूरो ने स्वीकार किया है।

अधिसूचित जमीन पर निर्माण करने वाले 90 ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। रबूपुरा में जिला प्रशासन ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विश्तार के लिए अधिसूचित जमीन पर अवैध निर्माण कार्य करने पर नगला हुकमसिंह और ग्राम करौली बांगर के कुल 90 ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि ग्रामीणों ने एयरपोर्ट के द्वितीय चरण के विश्तारीकरण में अधिग्रहण और पुनर्वास नीति का अवैध लाभ लेने के लिए निर्माण कार्य किया। जिला प्रशासन की तरफ से संबंधित लेखपाल ने पुलिस से इसकी शिकायत की थी। करौली बांगर गांव के लेखपाल पवन दूबे के मुताबिक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के द्वितीय चरण के विश्तारीकरण की परियोजना के लिए रनहेरा, कुरैब, करौली बांगर, दयांतपुर, वीरमपुर और मूढ़रह गांव की करीब 1182 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए सन 2022 में ही अधिसूचना जारी की जा चुकी है, जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि अधिसूचना जारी होने की तिथि के बाद अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने तक कलेक्टर गौतमबुद्ध नगर की पूर्व अनुमति के बिना अधिसूचित जमीन को न तो खरीदा और न बेचा जा सकता है। न ही उस पर कोई नया निर्माण कार्य किया जा सकता है। भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास नीति का अनुचित लाभ लेने के उद्देश्य से करौली बांगर गांव की अधिग्रहित भूमि पर इन ग्रामीणों द्वारा अवैध रूप से नया निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में बार-बार नोटिस जारी करने और निर्माण कार्य के लिए मना करने के बावजूद ये लोग मान नहीं रहे। ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे अवैध नव निर्माण से जहां एक ओर शासन प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है, वहीं इससे अपार राजकीय क्षति पहुंच रही है। शिकायत पर पुलिस ने नगला हुकमसिंह, माजरा ग्राम करौली के सभी 90 ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिडलाइफ लवर्स ने जीसीसी-11 को हराया

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। ग्रेनो वेस्ट स्थित सेंचुरियन क्रिकेट मैदान-तीन पर चल रहे इंडिपेंडेंस कप सीजन-एक के लीग मैच में मिडलाइफ क्रिकेट लवर्स ने जीसीसी-11 को 15 रनों से पराजित किया। मैच में राहुल पंत मैन ऑफ द मैच रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए मिडलाइफ लवर्स ने टी-20 मुकाबले में तीन विकेट के नुकसान पर 225 रन का स्कोर खड़ा किया। राहुल पंत ने 71 रन और शुभम ने 67 रन की पारी खेली। दूसरी पारी में जीसीसी-11 की टीम पांच विकेट के नुकसान पर 210 रन ही बना सकी। दिलप्रीत सिंह की 121 रन की पारी भी टीम को जीत नहीं दिला पाई।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के बाद ठंडी हवाओं का असर, राजस्थान में सर्दी चढ़ी

दक्षिण में बनेगा बारिश का सिस्टम

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में मौसम का मिजाज अब पूरी तरह बदलने लगा है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के गुजरने और उत्तरी हवाओं के दोबारा सक्रिय होने के बाद प्रदेश में सर्दी ने दस्तक दे दी है। खासकर शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में रात के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। सीकर, चूरू और पिलानी जैसे इलाकों में रात का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले कुछ दिनों तक न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा। वहीं, 26 अक्टूबर से कोटा और उदयपुर संभाग में एक नया वेदर सिस्टम सक्रिय होगा, जिससे दक्षिणी राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना बन रही है।

पिछले 24 घंटों में सबसे कम तापमान सीकर में 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तरी हवाओं के तेज बहने और साफ आसमान के कारण रात में तापमान में तेजी से गिरावट हो रही है। सीकर में सुबह और शाम को ठंडी हवाएं चल रही हैं, जबकि दिन में हल्की गर्म धूप से कुछ राहत बनी हुई है।

चूरू, पिलानी और झुंझुनूं जिलों में भी तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज हुआ है। इन इलाकों में अब लोग सुबह-शाम गरम कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं। हालांकि, पश्चिमी राजस्थान के शहरों में दिन का तापमान अभी भी ऊंचा बना हुआ है। गुरुवार को बाड़मेर में दिन का अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। जैसलमेर में 36.3, जोधपुर में 35, गंगानगर में 35.3, बीकानेर में 34.8, चूरू में 34.6, जबकि जयपुर और अजमेर में 32.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इससे साफ है कि फिलहाल दिन में हल्की गर्मी बनी हुई है, लेकिन सुबह-शाम सर्दी का असर अब पूरे राजस्थान में महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अरब सागर में बना डिप्रेशन सिस्टम और बंगाल की खाड़ी में सक्रिय लो-प्रेशर सिस्टम 26 अक्टूबर से राजस्थान के दक्षिणी हिस्सों को प्रभावित करेगा। इसका असर मुख्य रूप से उदयपुर, कोटा, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और झालावाड़ जिलों में देखने को मिल सकता है। यहां 26 से 28 अक्टूबर के बीच आसमान में बादल छाने और कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। कुछ दिनों में प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में रात का तापमान 2 से 3 डिग्री तक और गिर सकता है। वहीं, सुबह के समय कोहरा और धुंध की स्थिति भी देखने को मिल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में तापमान में गिरावट का यह रुझान सर्दी के आगमन का शुरुआती संकेत है। नवंबर के पहले हफ्ते से राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में ठंड का असर और गहराने लगेगा। सीकर, झुंझुनूं और चूरू जैसे इलाकों में सुबह की सैर करने वालों ने अब गरम कपड़े पहनना शुरू कर दिया है। वहीं, बच्चों और बुजुर्गों को सुबह-शाम ठंडी हवाओं से बचाने के लिए लोग अब घरों में रजाई और हीटर का सहारा लेने लगे हैं।

5 सेकंड में लॉक तोड़ 125 से अधिक बाइक चोरी, नोएडा में गैंग के सरगना समेत 2 गिरफ्तार

नोएडा , एजेंसी। सूजे का इस्तेमाल कर महज पांच सेकेंड में लॉक तोड़कर दो पहिया वाहन चुराने वाले गिरोह के सरगना और उसके साथी को सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी निशानदेही पर चोरी के पांच दोपहिया वाहन बरामद हुए हैं। दोनों के खिलाफ अलग-अलग थानों में 40 से अधिक केस विभिन्न धाराओं में दर्ज हैं।

एसीपी प्रवीण सिंह ने बताया कि बीते दिनों थानाक्षेत्र से एक बाइक चोरी हुई थी। मामले की शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की थी। इसके बाद बाइक चुराने वाले बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई। टीम जब सलारपुर में गश्त कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि दो पहिया वाहनों की चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य किसी वारदात की फिराक में घूम रहे हैं। पुलिस मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंची और घेरेबंदी कर दो संदिग्धों को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों वाहन चुराने वाले कुख्यात गिरोह के सदस्य हैं। इसमें एक सरगना है और दूसरा उसका साथी है।

आरोपियों की पहचान कन्नौज निवासी प्रशांत उर्फ शक्ति और एटा निवासी पंकज के रूप में हुई है। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की पांच गाड़ियां बरामद की,जिसमें दो बुलेट है। पंकज गिरोह का सरगना है। उसके खिलाफ 23 और प्रशांत के खिलाफ 21 मुकदमे दर्ज होने की जानकारी मिली है। दोनों ने पूछताछ के दौरान अपने दो अन्य साथियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। दोनों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित कर दी गई है,जो संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। गिरफ्त में आए सरगना और उसके साथी ने 125 से अधिक दो पहिया वाहनों की चोरी की है। दोनों ने रेकी करने के बाद वाहन चुराने को ही अपना पेशा बना लिया है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह चोरी करने के लिए अपने गृह जनपद से नोएडा आते हैं। अगर जेब में पैसा होता है तो होटल में रुकते हैं, अगर नहीं होता है तो बस अड्डो और मेट्रो स्टेशनों के बाहर सो जाते हैं। वाहनों की लगातार रेकी की जाती है। मौके पाते ही वारदात कर डालते हैं। दोनों ही आरोपी शराब पीने के आदी हैं। ज्यादातर समय वह नशे में होते हैं। दोनों ने पांचवीं तक की ही पढ़ाई की गई। लगातार अपराध करने के कारण आरोपियों के घर वालों ने भी उनसे दूरी बना ली है। गिरोह का सरगना पंकज नोएडा के अलावा एटा और कासगंज में भी वाहन चोरी की कई वारदात कर चुका है। वह 2009 से वारदात कर रहा है। इस दौरान वह पांच से अधिक बार जेल भी गया, पर हर बार बाहर आते ही फिर से वारदात करने लगता है।

भीलवाड़ा: पम्प कर्मी को थप्पड़ जड़ने वाले एसडीएम साहब सस्पेंड

भीलवाड़ा(एजेंसी)। भीलवाड़ा में एसडीएम छोटू लाल शर्मा की कार से पीछे आई दूसरी गाड़ी में सीएनजी भरने को लेकर हुए विवाद के बाद राज्यपाल की आज्ञा से उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। देर रात जारी आदेश में सस्पेंशन के दौरान उन्हें जयपुर सचिवालय में रहना होगा। आदेश संयुक्त शासन सचिव धीरेंद्र सिंह ने जारी किए हैं।
मामला 21 अक्टूबर का है। रायला थाना इलाके के अजमेर-भीलवाड़ा हाईवे पर स्थित जसवन्तपुरा के सीएनजी पेट्रोल पंप पर मंगलवार दोपहर 3 :43 बजे यह घटना हुई। इसका वीडियो भी सामने आया था। घटना के अनुसार, एसडीएम छोटू लाल शर्मा अपनी कार से पेट्रोल पंप आए और सीएनजी भरवाने के लिए खड़ी की। पंपकर्मी ने उनकी कार के बजाय पीछे आई दूसरी कार में गैस भर दी। जब एसडीएम ने इस पर टोका, तो पंपकर्मी बहस करने लगा। इसके बाद एसडीएम ने पंपकर्मी को थप्पड़ मार दिया और पंपकर्मी ने उन्हें चांटा जड़ दिया। इस घटना में तीन कर्मचारियों—दीपक माली, प्रभु लाल कुमावत और राजा शर्मा को शांति भंग में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। घटना के बाद यह मुद्दा सोशल मीडिया पर छाया। कई लोगों ने एसडीएम को सपोर्ट किया, जबकि कई लोगों ने उन्हें गलत बताया। रायला थाने में दी गई रिपोर्ट के अनुसार, एसडीएम दीपावली पर अपने घर भीलवाड़ा आए थे और परिचितों से मिलने जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने पेट्रोल पंप पर कार में ष्ह्त्र भरवाने के लिए खड़ी की।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एलिवेटेड रोड योजना ने पकड़ी रफ्तार, एनएच-24 से जुड़ेगा रूट

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के इटेड़ा गोलचक्कर को शाहबेरी के रास्ते राष्ट्रीय राजमार्ग-24 से जोड़ने के लिए एलिवेटेड रोड बनाने की योजना जल्द रफ्तार पकड़ेगी। इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस कार्य में पांच सलाहकार फर्मों रुचि दिखाई है। डीपीआर बनने के बाद विकासकर्ता एजेंसी के चयन के लिए निविदा जारी की जाएगी। अगले साल काम शुरू होने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक यह एलिवेटेड रोड 2.5 किलोमीटर लंबा और चार लेन का होगा। यह इटेड़ा गोलचक्कर से शाहबेरी के रास्ते क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास एनएच-24 से जुड़ेगा। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 250 करोड़ रुपये है। अधिकारी के मुताबिक परियोजना की डीपीआर तैयार करने के लिए पांच सलाहकार फर्में आगे आई हैं। प्रस्तुतिकरण के आधार पर एक विशेषज्ञ फर्म का चयन किया जाएगा, जो विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करेगी। अगले कुछ दिनों में फर्म का चयन कर लिया जाएगा। डीपीआर में भू-तकनीकी सर्वेक्षण, विस्तृत अभियांत्रिकी डिजाइन, लागत अनुमान, पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव आकलन और यातायात प्रबंधन योजना आदि बिंदु शामिल होंगे। इसके बाद विकासकर्ता कंपनी के चयन के लिए निविदा जारी की जाएगी। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) से इसकी जांच कराई जा चुकी है। एलिवेटेड रोड के बनने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में ट्रैफिक की स्थिति में सुधार होगा और जाम की समस्या कम होगी। इसके अलावा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में वृद्धि होगी और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे तक पहुंच आसान होगी।

अंता उपचुनाव में कौन सी रणनीति पड़ेगी भारी, भाजपा की संगठन शक्ति या कांग्रेस का ग्राउंड नेटवर्क?

जयपुर (एजेंसी)। बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव अब दोनों प्रमुख दलों – भाजपा और कांग्रेस – के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है। प्रदेश में यह एकमात्र उपचुनाव है, इसलिए दोनों दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। 11 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले दोनों ही दल बूथ स्तर तक रणनीति को मजबूत करने में जुट गए हैं। अब फोकस पूरी तरह माइक्रो मैनेजमेंट पर है – यानी एक-एक वोट, एक-एक बूथ और एक-एक कार्यकर्ता की गतिविधि पर नजर। भाजपा और कांग्रेस, दोनों ने ब्लॉक और सेक्टर स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का प्लान तैयार किया है। कार्यकर्ताओं को तय क्षेत्रों में जिम्मेदारी दी जा रही है ताकि किसी भी बूथ पर कमजोर स्थिति न बने। इस चुनाव में निर्दलीय नरेश मीणा के मैदान में उतरने से मुकाबला

त्रिकोणीय होता दिख रहा है। जातीय समीकरणों में पकड़ और युवाओं के बीच मजबूत पकड़ के कारण नरेश मीणा दोनों दलों की गणना को थोड़ा मुश्किल बना रहे हैं। कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार की कमान प्रदेश स्तर से संभाल ली है। प्रत्याशी की ओर से ब्लॉकवार नेताओं और कार्यकर्ताओं की मांग की गई है। करीब 150 कार्यकर्ता और नेता विभिन्न स्तरों पर लगाए जा रहे हैं। कांग्रेस का प्रदेश संगठन 25 अक्टूबर के बाद से इन सभी को अंता भेजने की योजना पर काम कर रहा है। इनमें बड़े नेता, प्रदेश पदाधिकारी, विविध संगठनों के पदाधिकारी और वॉर रूम टीम शामिल हैं। पार्टी ने जातीय आधार पर भी मैनेजमेंट की रणनीति बनाई है। अलग-अलग जातियों के प्रभावशाली नेताओं को उनके समाजों के बीच भेजा जाएगा ताकि समूह वोटों को अपने पक्ष में किया जा सके। इसके अलावा कांग्रेस ने बूथ और वोट मैनेजमेंट के लिए समानांतर वॉर रूम तैयार किया है। प्रत्याशी की अपनी टीम के साथ-साथ प्रदेश संगठन की विशेष टीम भी मैदान में सक्रिय रहेगी। यह टीम प्रचार, संगठन और बूथ स्तर के प्रबंधन को अलग-अलग संभालेगी।

युवती ने बंद की बात तो युवक ने गोली मारी; गुरुग्राम में एकतरफा प्यार में वारदात

गुरुग्राम, एजेंसी।गुरुग्राम में एक शख्स ने एकतरफा प्यार में खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। एक शख्स ने गांव डूंडाहेड़ा में गुरुवार को सुबह करीब 10 बजे ऑफिस जा रही एक युवती को पिस्तौल से गोली मार दी। घायल युवती को तत्काल सेक्टर-10 के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि युवती ने पिछले कुछ दिनों से युवक से बात करनी बंद कर दी थी। इससे गुस्से में आकर उसने वारदात को अंजाम दिया। यूपी प्रतापगढ़ की युवती गुरुग्राम के उद्योग विहार के फेज-चार में स्थित एक निजी कंपनी में काम करती है। वह डूंडाहेड़ा इलाके में किराए के मकान में रहती है। अस्पताल में पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि गुरुवार सुबह दस बजे वह ऑफिस जाने के लिए कमरे से निकलकर जूते पहन रही थी। तभी उसने यूपी के जौनपुर निवासी 33 वर्षीय विपिन को देखा।

शुद्ध पानी की टेंशन होगी खत्म, सिर्फ एक बूंद में हो जाएगा ये काम

प्रयागराज, एजेंसी। अब पानी की शुद्धता जांचने के लिए लंबी प्रक्रिया का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सिर्फ एक बूंद पानी से कुछ ही सेकंड में उसका पूरा 'एक्सरे' हो जाएगा। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) और शुआट्स तकनीकी संस्थान के वैज्ञानिकों ने मिलकर एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित ऐसी मशीन विकसित की है, जो सात मानकों पर पानी की गुणवत्ता की जांच करती है।

यह मशीन पीएच, गंदापन, घुली ऑक्सीजन, प्रदूषण स्तर सहित पानी में मौजूद अन्य तत्वों का वास्तविक समय (रीयल टाइम) में विश्लेषण करने में सक्षम है। यह तकनीक खास तौर पर उत्तर भारत के उन इलाकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जहां भूजल प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। परियोजना के प्रमुख अन्वेषक (पीआई) ट्रिपलआईटी के प्रबंधन विभाग के डॉ. सौरभ मिश्र और सह-अन्वेषक (को-पीआई) आईटी विभाग के प्रो. वृजेंद्र सिंह ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी) से प्राप्त परियोजना के तहत यह कार्य किया गया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीकों का प्रयोग करते हुए जल गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। एआई आधारित मॉडल सेंसर से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर संभावित प्रदूषण की पहचान कर खतरे की स्थिति में पहले से चेतावनी जारी करता है। प्रो. सिंह ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य केवल तकनीकी समाधान देना नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी हैं। स्वच्छ पानी की उपलब्धता से महिलाओं का समय बचेगा।

दिल्ली से बिहार तक होगी बारिश; दक्षिण भारत में भी अलर्ट

नई दिल्ली एजेंसी। बिहार और आस पास के सटे राज्यों में छठ महापर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बीच मौसम भी करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, कई राज्यों में 25 अक्तूबर से बारिश का सिलसिला देखने को मिल सकता है। दरअसल, इन दिनों मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। कहीं धूप खिल रही और उमस भरी गर्मी का एहसास हो रहा है; तो वहीं कुछ जगहों पर एक बार फिर गरज चमक के साथ बारिश का दौर लौट आया है। आईएमडी के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक उत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्यों में मौसम में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव का असर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश में देखने को मिलने लगा है। पिछले दो दिनों से तमिलनाडु के कई शहरों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इन राज्यों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि पहले ये दबाव चक्रवात बनने की स्थिति में था।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष वाल्मिकी ने मुख्यमंत्री से की भेंट

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आज लखनऊ में बिजनौर के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुभाष वाल्मीकि ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान संगठन से जुड़े विषयों और जिले के विकास कार्यों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। श्री वाल्मीकि ने मुख्यमंत्री जी को बिजनौर जिले में चल रहे विकास एवं जनकल्याण कार्यों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में संगठन की मजबूती और जनता के हित में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता के आवास में घुसा सांप पकड़ा

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। सिंचाई विभाग बिजनौर के अधिशासी अभियंता के सरकारी आवास में उस समय हड़कंप मच गया जब वहां एक जहरीला सांप दिखाई दिया। अधिशासी अभियंता ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर सांप को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। अधिशासी अभियंता ने बताया कि उनकी गाड़ी खड़ी करने वाली गैराज में यह सांप एक बोरे के अंदर घुस गया था। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गई।, जिसके बाद विभाग के दो कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर सांप को पकड़ लिया और अपने साथ लेकर चले गए। विभाग की त्वरित कार्रवाई से किसी प्रकार की अनहोनी होने से बच गई।

शिताब ख़ान बने कांग्रेस के नगर मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष रईस कुरैशी ने सौंपा मनोनयन पत्र

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷। कांग्रेस पार्टी में सक्रियता और निष्ठा का परिणाम देते हुए जिलाअध्यक्ष हैनरीता राजीव सिंह की संस्तुति पर शिताब ख़ान को नगर का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रईस कुरैशी ने अपने हाथों से शिताब ख़ान को मनोनयन पत्र सौंपा। मोहल्ला मकबरा निवासी शिताब ख़ान पुत्र अनीस ख़ान को पार्टी में लंबे समय से लगन और मेहनत के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।नगर अध्यक्ष रईस कुरैशी ने बताया कि शिताब ख़ान से उम्मीद है कि वह कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे और सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करेंगे।उन्होंने कहा कि शिताब ख़ान पार्टी के शीर्ष नेतृत्व — राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के दिशा-निर्देशों पर चलते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इस अवसर पर नगर महासचिव नदीम फारूकी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नईमुल अख्तर,, उपाध्यक्ष डाक्टर सलीम सैफी ,मंडल अध्यक्ष डाक्टर इक़बाल, खान व्यापारी नेता मोनू टाटा,आदि मौजूद रहे।

जहरखुरानी के खिलाफ चला संयुक्त जांच अभियान

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दादरी में त्योहारों के मद्देनजर दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी द्वारा संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर जहरखुरानी एवं मानव तस्करी की घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती गई। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि त्योहारों के समय ट्रेनों और प्लेटफॉर्मों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह अभियान चलाया गया। अभियान के तहत रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में संदिग्ध व्यक्तियों व वस्तुओं की गहन जांच की गई। उन्होंने बताया कि असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सड़क हादसे में व्यक्ति घायल ने दर्ज कराया केस

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दादरी में जीटी रोड पर डेरी मच्छा गांव में पैदल सड़क पार करते समय बाइक सवार ने 55 वर्षीय व्यक्ति को टक्कर मार दी। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि डेरी मच्छा गांव में राहुल कुमार परिवार के साथ रहते हैं। 30 सितंबर की शाम को उनके पिता मदन पाल दादरी से अपना काम करके पैदल गांव आ रहे थे। शाहमल नर्सिंग होम के पास बाइक सवार दो लोगों ने सीधी टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हालत बिगड़ने पर नोएडा के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। नोएडा के अस्पताल में घायल का उपचार चल रहा है। घायल के बेटे ने बाइक चालक के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गौतमबुद्ध नगर में मारपीट में घायल हुए दलित युवक की मौत, गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क जाम की

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। गौतमबुद्ध नगर जिले में मारपीट में घायल हुए एक दलित युवक की शुक्रवार को अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई जिसके बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। मौके पर पहुंचे जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने परिजनों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात कराई और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद लोगों ने जाम खोला।

वित्त मंत्री ने नवनिर्मित सीजीएसटी भवन का किया विधिवत उद्घाटन

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को गाजियाबाद का दौरा कर कमला नेहरू नगर स्थित नवनिर्मित केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) भवन का विधिवत उद्घाटन किया।

यह आधुनिक सुविधाओं से लैस भवन कर प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक सुगम तथा पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्घाटन कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार करदाताओं की सुविधा के लिए लगातार प्रयासरत है और यह नया भवन पारदर्शी कर व्यवस्था का मील का पत्थर है। उन्होंने भवन परिसर का निरीक्षण भी किया और वहां मौजूद अधिकारियों से विभाग की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली।

वित्त मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता के प्रति सजग और सहयोगी कार्यशैली अपनाएं तथा किसी भी प्रकार के गलत काम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे और ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों को पूरा सहयोग मिलेगा।

निर्मला सीतारमण ने भरोसा जताया कि जीएसटी प्रणाली में लगातार सुधार, समर्पण और टीम वर्क के जरिए बेहतर राजस्व संग्रह, अनुपालन और सेवा वितरण संभव होगा।

वित्त मंत्री के आगमन के अवसर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए थे। कमला नेहरू नगर क्षेत्र में विशेष पुलिस बल तैनात किया गया और ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रबंध किए गए, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

गाजियाबाद के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि कार्यक्रम पूर्णतः शांति और सफलता के साथ संपन्न हुआ।

इस नवनिर्मित सीजीएसटी भवन के उद्घाटन से क्षेत्र में कर प्रशासन और करदाताओं के हित में महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे व्यापारियों और जनता को बेहतर और पारदर्शी कर सेवा मिलेगी।

गलत इलाज के आरोप में परिजनों ने किया अस्पताल पर हंगामा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर आरोग्यम अस्पताल के डॉक्टर पर महिला का गलत इलाज करने का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्रामीणों का आरोप कि समस्या ब्रेन हेमरेज की थी, जबकि डॉक्टर हार्ट का इलाज कर रहे थे। इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी गई है।

गांव सीकरी खुर्द में बिजेंद्र की मौत हो गई थी। गम में शामिल होने के लिए बागपत के गांव भेडापुर निवासी महिला ऊषा देवी गांव सीकरी खुर्द आई थीं। बताया जा रहा है कि गमगीन माहौल देखकर महिला की तबीतय बिगड़ गई। वहां मौजूद लोग महिला को आरोग्यम अस्पताल ले गए। महिला की हालत में सुधार नहीं हुई तो परिजनों ने डॉक्टर से रेफर करने के लिए कहा। पूरा भुगतान करने के बाद महिला को निवोक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

गांव सीकरी खुर्द के राहुल गुर्जर दर्जनों लोगों के साथ आरोग्यम अस्पताल पहुंचे और जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि महिला को ब्रेन हेमरेज हुआ था, लेकिन इलाज हार्ट का किया जा रहा था।

आरोग्यम अस्पताल के संचालक डॉ.संचित गोयल का कहना है कि सही इलाज किया जा रहा था। परिजनों के लगाए गए आरोप निराधार हैं। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पुलिस का कहना है कि मामला स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा है। सीएमओ को इस बारे में अवगत कराया जाएगा।

दीपावली पार्टी में दोस्त की गोली मारकर हत्या, दो गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

जिले के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में दीपावली की रात दोश्तों की पार्टी खौफनाक हादसे में बदल गई। गोलू के खंडर पड़े मकान में चल रही पार्टी के दौरान दोश्तों की आपसी बातचीत में चली गोली से इरशाद घायल हो गया। उसे तुरंत दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के भाई आदिल की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने दो अभियुक्त संदीप और गोलू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारियों के दौरान हत्या में प्रयुक्त पिस्टल और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया।

पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि इरशाद, गोलू और संदीप आपस में दोश्त थे। दीपावली की रात गोलू के खंडर मकान में पार्टी चल रही थी, जिसमें इरशाद भी मौजूद था। संदीप शर्मा ने पार्टी में पिस्टल लाई थी, जिसे गोलू चलाना चाहता था। पिस्टल की खींच तान के दौरान गोली चल गई और इरशाद को लग गई।

घटना के बाद सभी दोश्त मौके से भाग निकले। पुलिस ने कहा कि दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की पूरी जांच जारी है।

टहलने निकले परिवार के साथ दबंगों ने की मारपीट

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

साहिबाबाद थाना क्षेत्र में परिवार के साथ टहलने निकले दंपति और उनके बेटों के साथ दबंगों ने मारपीट की। आरोप है कि नशे में दबंगों ने पहले गाली गलौज किया और विरोध करने पर पूरे परिवार के साथ मारपीट की। महिला से छेड़खानी का भी आरोप है। पीड़ित ने थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अर्थला स्थित संजय कालोनी में रहने वाले एक व्यक्ति का कहना है कि वह रोजाना अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ वृंदावन ग्रीन्स मैरिज होम और सेलिब्रेशन मैरिज होम के बीच वाली सड़क पर टहलने के लिए जाते हैं। 22 अक्तूबर की शाम भी वह सड़क पर टहल रहे थे।

इस दौरान जकारिया, आरिफ, आरिस, अहतसाम अपने दो अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे और नशे की हालत में अपनी बाइकें उनके सामने लगाकर गाली-गलौज करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। इसके साथ ही उनकी पत्नी के साथ अभद्रता करते हुए छेड़छाड़ की।

इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

मेरठ मण्डलायुक्त ने किया मेडिसिटी सेंटर का निरीक्षण राष्ट्रपति के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन माननीय महामहिम श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के द्वारा किया जाना प्रशतावित है जिसकी तैयारियों के दृष्टिगत मेरठ मण्डलायुक्त ऋषिकेश भास्कर ने शुक्रवार को इन्दिरापुरम स्थित शक्ति खण्ड-2 में निर्मित यशोदा मेडिसिटी का निरीक्षण किया गया।

मण्डलायुक्त ने इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर की जा रही समश्त व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, पार्किंग व्यवस्था, अतिथियों के आगमन मार्ग, मंच व्यवस्था एवं आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का गहनता से जायजा लिया।

उल्लेखनीय है कि यशोदा मेडिसिटी सेंटर का भव्य उद्घाटन समारोह शीघ्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में पधारेंगी।

इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उप-मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, तथा केन्द्रीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्रीमती अनुप्रिया पटेल सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों का कार्यक्रम में उपस्थिति प्रशतावित है।

निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से पूर्व सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण कर ली जाएँ तथा किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, ट्रैफिक प्रबंधन को सुचारू रखने एवं मार्गदर्शन हेतु स्पष्ट दायित्व निर्धारण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर गाजियाबाद के जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल, एडीएम सिटी विकास कश्यप, सिटी मजिस्ट्रेट सन्तोष कुमार उपाध्याय सहित नगर निगम, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

साइकिल से दूध लेने जा रहे युवक को टेंपो ने मारी टक्कर

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

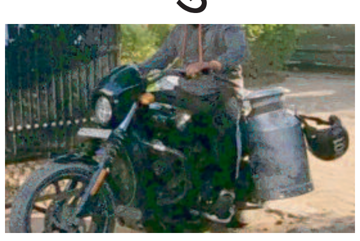

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की मौलाना आजाद कॉलोनी में बुधवार सुबह साइकिल से दूध लेने जा रहे युवक को टेंपो ने पीछे से टक्कर मार दी।

रोड पर गिरने से युवक घायल हो गया। शिकायत पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की मौलाना आजाद कॉलोनी निवासी मुनव्वर हसन गुरुवार सुबह करीब छह बजे साइकिल लेकर दूध लाने के लिए घर से निकले थे। जब वह घर से कुछ दूर पहुंचे तो पीछे से तेज गति में आ रहे टेंपो ने साइकिल में टक्कर मार दी। वह रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। वह किसी तरीके से घर पहुंचे और परिजनों के साथ जाकर अपना उपचार कराया। उन्होंने बताया कि शाम को टेंपो का चालक आसिफ रोड पर मिला। उन्होंने चालक से रोड पर वाहन को सावधानी से चलने की बात कही। जिस पर चालक आसिफ और टेंपो मालिक शहजाद हसन ने उनके साथ गाली गलौज की। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

तालाब से उठ रही दुर्गंध से ग्रामीण परेशान

एनसीआर टुडे. यमुना सिटी। जेवर के साबौता गांव में तालाब की गंदगी और उसमें फैली दुर्गंध से ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। लंबे समय से सफाई न होने के कारण तालाब पूरी तरह गंदगी से भर गया है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गंदे पानी से उठती बदबू आसपास के घरों तक पहुंचती है, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। मच्छरों के पनपने से मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

किसानों ने मंडोला योजना में अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर की तालाबंदी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

मंडोला विहार योजना से प्रभावित किसानों ने योजना में स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय की तालाबंदी कर दी किसान अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज बैठक करके अधिकारियों से अपने मांग पत्र पर हो रही कार्यवाही एवं सहमति को लेकर वार्ता करना चाहते थे

जैसे ही किसानों ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय के सामने बैठकर अपना सांकेतिक प्रदर्शन शुरू किया तो परिषद के अधीक्षण अभियंता राकेश चंद्र एवं मंडोला चौकी इंचार्ज हरिओम कुछ देर आपस में वार्ता करने के बाद किसानों के बीच पहुंचे और किसानों की मांगों पर एक ऐसा सहमति पत्र दिखाकर पढ़ने लगे जिसमें गांव के विकास श्मशान भूमि एवं स्कूल स्कूल की भूमि को छोड़ने एवं योजना का नाम मंडोला के नाम पर रखने की बात कही गई थी।

जिस पर अधिकारियों ने कहा कि यह मांग आपकी पूरी हो चुकी हैं।

अब धरने प्रदर्शन का कोई उचित नहीं है जिसको लेकर किसानों ने नाराजगी प्रकट की और कहा कि हम 2 दिसंबर 2016 से जिस मांग पत्र को लेकर धरना प्रदर्शन करते आ रहे हैं।

उस पर क्या सहमति बनी उसके बारे में बताया जाए जिसको लेकर अधीक्षण अभियंता द्वारा कहा गया कि मुझे उस मांग पत्र के बारे में जानकारी नहीं है।

इस बात को सुनकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा ओर किसानों ने आज ही परिषद कार्यालय की तालाबंदी करके चाबी चौकी इंचार्ज को देते हुए कहा कि किसानों की मांगों पर सहमति बने बगैर कार्यालय का ताला खोला गया तो किसान कार्यालय के सामने सामूहिक आत्मदाह कर देंगे।

किसानों द्वारा आज सांकेतिक प्रदर्शन के बाद आगामी दिनांक 3 नवंबर 2025 को परिषद की तालाबंदी कर जिला कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च करने की सूचना अपने पत्र द्वारा देनी थी। पैदल मार्च का पहला पड़ाव उप जिलाधिकारी कार्यालय लोनी में तय था लेकिन परिषद के अधिकारियों का किसानों के प्रति गैर जिम्मेदाराना रवैया देखकर किसानों ने आज ही परिषद कार्यालय की तालाबंदी कर दी जिसकी सूचना किसानों ने भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकट को भी दे दी है।

उन्होंने कहा कि 26 तारीख को मुख्यमंत्री जी का गाजियाबाद में आगमन होगा जिनसे किसान प्रतिनिधि मंडल को मिलवाने की व्यवस्था प्रशासन कर दे नहीं तो आंदोलन मंडोला विहार तक ही सीमित नहीं रहेगा।

आज धरने पर भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश संगठन मंत्री प्रवीण मालिक,वरिष्ठ किसान नेता बिल्लू प्रधान,सुनील बालियान ,किसान नेता नीरज त्यागी, मास्टर महेंद्र सिंह त्यागी, बॉबी त्यागी,राजबीर त्यागी, सुरेंद्र शर्मा, मुकेश त्यागी समेत सैकड़ों महिला व पुरुष मौजूद रहे।

नाबालिग से विवाह के आरोपी को जमानत

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की अदालत ने नाबालिग से विवाह और पॉक्सो एक्ट के आरोपी आरिफ को जमानत दी है। मामला थाना सेक्टर-39 नोएडा का है। जिसमें आरोपी पर नाबालिग को अपने साथ ले जाने पर पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

प्रकरण के अनुसार 11 जुलाई 2025 की रात शिकायतकर्ता की पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। 18 जुलाई को पीड़िता की सहेली ने बताया कि एक युवक उसे अपने साथ ले गया है। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

अदालत ने केस डायरी और उपलब्ध दशतावेजों को देखने के बाद पाया कि रिकॉर्ड के अनुसार पीड़िता की जन्मतिथि 9 मार्च 2009 है। जिससे उसकी उम्र घटना के समय 16 वर्ष से अधिक सिद्ध होती है।

पीड़िता ने अपने बयान में आरोपी से विवाह कर पति-पत्नी की तरह रहने की बात कही थी। लेकिन बाद में दिए गए बयान में उसने शारीरिक संबंध से इनकार किया। अदालत ने कहा कि कानूनन धारा 183 के तहत दिया गया बयान प्राथमिकता रखता है। अदालत ने माना कि पीड़िता की उम्र 16 वर्ष से अधिक है।

उसके बयान में किसी प्रकार के शारीरिक संबंध का उल्लेख नहीं है। इसलिए मामले के गुण-दोष पर टिप्पणी किए बिना आरोपी को जमानत देना उचित होगा।

थाना मसूरी पुलिस ने चोरी और अवैध हथियार के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

थाना मसूरी पुलिस टीम ने 22 अक्टूबर की रात हुई चोरी का सफल खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात, अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना मसूरी क्षेत्र में आरिफ पुत्र खुर्शीद अहमद के घर चोरी की घटना के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मुकीम, इमरान और मारूफ को गिरफ्तार किया। चौथा आरोपी आरिफ फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की उम्र 21 से 25 वर्ष के बीच बताई गई है।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 21/22 अक्टूबर की रात वे अपने साथी आरिफ के साथ छत के राश्ते घर में घुसकर जेवरात, नकदी और अन्य सामान चोरी करने गए थे। आरोपियों के पास से चोरी का माल और अपराध में प्रयुक्त औजार बरामद हुए हैं। बरामदगी में आठ पॉलिश धातु के कड़े, एक पीली धातु की चैन, तीन टॉप्स, पांच झुमकी, एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक लोहे की आरी, एक पेचकस और एक प्लास शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी और बरामदगी से संबंधित मामले दर्ज हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना मसूरी पर धारा 305/331(4) के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई जारी है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	**कार्य का नाम व स्थान:** ओएचई/जेआईएनडी, ओएचई/जेएचएल और ओएचई/एमएसजेड के अधिकार क्षेत्र में टीआरडी परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता में सुधार के संबंध में विविध कार्य।
2	**अनुमानित लागत :** Rs. 95,47,685.44/-
3	**बयाना राशि :** Rs. 1,91,000/-
4	**ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि:** 03.11.2025 (10.30 बजे) से 17.11.2025 (15.00 बजे तक)
5	**ई-निविदा समापन की अंतिम तथा ई-निविदा खुलने की तारीख और समय:** 17.11.2025 (15.00 बजे)
6	**निविदा छपाई की लागत:** 07041032
7	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है:** www.ireps.gov.in

सं: 26-क.वि. -नई दिल्ली-2025-26 दिनांक: 23.10.2025 **3302/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे में सीआरपीएफ के हवलदार की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

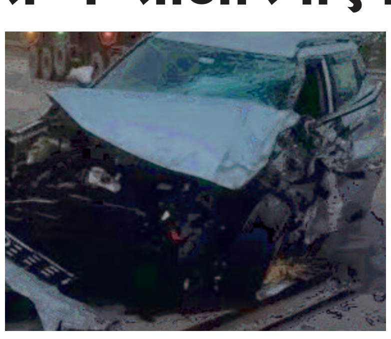

पंजाब से कार में सवार होकर झारखंड जा रहे सीआरपीएफ के हवलदार की यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में कार में सवार तीन अन्य लोग घायल हुए। एक्सप्रेसवे पर एक वाहन चालक के अचानक ब्रेक लगाने से हादसा हुआ।

पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जेवर कोतवाली पुलिस के मुताबिक मूलरूप से अमृतसर पंजाब के रहने वाले कंचन किशोर दूबे की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। कंचन किशोर दूबे ने पुलिस को बताया कि वह गुरुवार को अपनी पत्नी रूपलता, बेटे मानस और रिश्तेदार वीरेंद्र कुमार शुक्ला के साथ कार में सवार होकर पंजाब से झारखंड जा रहे थे।

जेवर कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर सुबह के समय उनके आगे चल रहे एक अज्ञात वाहन के चालक ने अचानक कट मारते हुए ब्रेक लगा दिए। इसी बीच उनकी कार अज्ञात वाहन से टकरा गई। इस हादसे में 43 वर्षीय वीरेंद्र कुमार शुक्ला की मौत हो गई। कंचन किशोर दूबे, उनकी पत्नी रूपलता और बेटे मानस को चोटें आईं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। कंचन किशोर दूबे ने बताया कि उनके रिश्तेदार वीरेंद्र कुमार शुक्ला सीआरपीएफ में हवलदार थे।

फिलहाल उनकी तैनाती जम्मू कश्मीर में थी। वह उनके साथ ग्राम बरालौटा, पोस्ट सुदाना, जिला पलामू झारखंड अपने घर जा रहे थे। जेवर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। अज्ञात वाहन चालक का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

चुनावी घोषणा पत्र वादों का पुलिंदा भर होते है

भारतीय राजनीति में घोषणा पत्र का रिवाज उतना ही पुराना है जितना की आम चुनाव। इसे 1937 से शुरू माना जा सकता है। हर चुनाव में दावेदार अपनी घोषणाए करते है। जिसे घोषणा पत्र कहा जाता है। यह एक दैनिक दश्तावेज होता है। दल उसमे बंधा रहता है। उम्मीद की जाती है कि वह सत्ता में रहे या विपक्ष में, अगले चुनाव तक घोषणा पत्र के दो पाटों के बीच दल की गतिविधियां चलती रहे, क्या ऐसा होता है। बिहार में विधानसभा चुनाव है। लालू प्रसाद के मुख्यमंत्री बनने के बाद तेजस्वी भले ही गठबंधन में उप मुख्यमंत्री बनाए गए हो, लेकिन उनकी सरकार का मुख्यमंत्री बिहार में नही बन पाया है। वोट चोरी का मुद्दा उठाकर कांग्रेस के साथ चले तेजस्वी को यह लगा कि अब तो बिहार के हम है राजकुमार और भाजपा पर आरोप लगाकर न्याय यात्रा निकाली। अन्याय यात्रा में कांग्रेस को शामिल नही किया।

बिहार चुनाव दिलचस्प इसलिए है कि जेडीयू के तार एनडीए से जुड़े हुए है। केंद्र में चन्द्रबाबू नायडू का भाजपा को समर्थन है, वैसे ही नीतीश कुमार की पार्टी भाजपा को बिहार और केंद्र दोनो में समर्थन दे रही है। तेजस्वी और कांग्रेस के लगाए गए आरोप से इन पार्टियों को यह अहसास होने लगा कि बिहार में हमारी सरकार निश्चित वैतरणी पार करेगी। इस आनन फानन में तेजस्वी ने हर घर से एक व्यक्ति को नौकरी का वादा तो कर दिया लेकिन मतदाताओ को रिझाने में यह भूल गए कि हम जिस तरह से नौकरी का वादा कर तो रहे है लेकिन उसका परिणाम राजनैतिक मंच पर क्या आएगा? उसकी कोई फिक्र नही थी। यह आंकड़ा गिनते समय बुद्धिजीवी भी चकरा जाते है। बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान एक मंच सेअमित शाह ने स्पष्ठ किया कि तेजस्वी का घोषणा पत्र मात्र छलावा है और पूरे बिहार का बजट मात्र 3 लाख करोड़ का है और नौकरी के लिए 20 लाख करोड़ की जरूरत होगी, तब तेजस्वी इतने रुपए कहा से लाएंगे? इसका खुलासा करते हुए अमित शाह ने तेजस्वी के घोषणा पत्र को कागज का पुलिंदा करार दिया।

सच तो यह है कि चुनाव से पहले घोषणा पत्र में बड़े वादे किए जाते है। चुनाव जीतने के बाद इसे कोई देखता तक नही है। उसी तरह तेजस्वी के वादे की किरकिरी हुई है। ये वादे और घोषणा पत्र मीडिया भी याद नही कराता है। फिर भी इसका अपना महत्व है। वादे करके मुखर जाना गलत है। घोषणा पत्र का कोई महत्व ही नही रह जाता है। घोषणा पत्र की बात करे तो कांग्रेस ने राजस्थान में किसानों के कर्ज माफ करने का मुहिम चलाया था।

उसी के साथ कांग्रेस ने लम्बे समय तक वादा नही निभाया। दरअसल, दिल्ली मॉडल की बात कर पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली के केजरीवालने बिजली, पानी की घोषणा करके वोट प्राप्त तो कर लिया, लेकिन लोगो को गुमराह करने वाले मुख्यमंत्री केजरीवाल का जुठ उजागर तब हुआ, जब वे दिल्ली चुनाव में पराजय हुए थे। घोषणा पत्र को कौन पढ़ता है। लेकिन यह एक मजाक नही है यह हकीकत है। चुनावी घोषणा पत्र रस्मअदायगी से ज्यादा कुछ नही है। इसके बावजूद बिहार में दिवाली के बाद नेताओ की घोषणा पत्र की सूची जनता के समक्ष रखी जायेगी?लोगो को खैरात बांटने की घोषण हर सम्भव कर दी जाती है। भाजपा, राजद, कांग्रेस और अन्य दल चुनाव में जीत प्राप्त करने के लिए घोषणा पत्र पढ़ना शुरू कर देंगे।

चुनाव के पूर्व लालची घोषणाओं से बचकर नैतिक और ईमानदारी वाले नेताओं को अपना अमूल्य वोट देकर सत्ता में लाने की तैयारी बताए। बिहार में चुनाव के पूर्व विवाद का अखाड़ा बन चुके राजनीतिक दलों में सुलह का कोई मार्ग दिखाई नही दे रहा है। यह देखने वाली बात है कि घोषणा पत्र में भाजपा भी पीछे नही है। सवाल यह है कि कांग्रेस, राजद और अन्य दलों की कथनी समान नही है इसलिए मतदाता भरोसा करने को तैयार नही है। उधर, भाजपा की साफ छवि के चलते मोदी पर आंख मूंद कर भरोसा कर देते है। क्योंकि लोगो को मोदी और भाजपा पर भरोसा है।

घोषणा पत्र का शाब्दिक अर्थ वादा है। लेकिन अपनी साख पर कायम भारतीय जनता पार्टी ने इसे संकल्प पत्र करार दिया और घर घर मे भाजपा पर भरोसा करने का मार्ग प्रशशत किया। चुनाव जीतने के बाद मतदाताओ को गुमराह करने वाली पार्टियां समय के साथ ही अश्ताचल की तरफ बढ़ने लगती है। इसलिए कथनी और करनी समान रखनी चाहिए। संकल्प पत्र का संदेश मतदाताओ की समझ से भले ही परे क्यो नही हो, लेकिन यह प्रतिबद्धता का धोतक है।

यूपी तो बीमारू राज्य था। लेकिन उत्तरप्रदेश में योगी ने चुनाव के पूर्व किसानों का कर्ज माफ करने की घोषणा की थी। वह उस वादे पर खरे उतरे और भाजपा दूसरी बार यूपी में सत्ता की गलियारों तक पहुंची। यह प्रमाणिकता की निशानी है। प्रतिबद्धता की कड़ी में ऐसा हो नही सकता कि उनके किये वादे में कोई वादा छोड़ दे। भाजपा और नीतीश कुमार की पार्टी गठबंधन बिहार में सामयिक और सेकुलर नजरिया अपना सकती है। विपक्ष कहता है कि जिन मुद्दों को हम वर्षो से लेकर राजनैतिक मंच पर भुना रहे है लेकिन हमको सफलता नही मिलती है और उन्ही मुद्दों पर मोदी को सफलता मिल रही है। उसकी वजह से विपक्ष टेंशनमे रहता है। लेकिन उनकी साफ छवि और वादा और घोषणा की प्रासंगिकता पर एकमत होने की वजह से वे सफल हो रहे है। वे विकास पुरुष है। लोगो का उन नेताओं ने दिल जीता है।

यही बडी विजय पताका है। बिहार में कांग्रेस और राजद की लड़ाई से मतदाताओ पर गहरा असर पड़ता है। मतदाता यू समझ रहे है कि सीट शेयरिंग में भी आपसी समझ बरकरार नही रखने वाले नेता आगे चलकर जनता के साथ कैसा व्यवहार करेंगे? बिहार में चुनाव में सभी राजनीतिक दल वादे करेंगे, उसमे भाजपा भी शामिल है। लेकिन जिन दलों ने मतदाताओ का दिल जीत लिया है वे सफल होंगे? सामयिक सुधार के लिए किए वादे अक्सर जनता का दिल जीतने के लिए काफी अहम है। बिहार चुनाव में लोगो की नजर है। बिहार चुनाव केंद्र सरकार के लिए भी अहम माना जा रहा है। बिहार में नीतीश की साख पर मतदाता भरोसा कर रहे है। कांग्रेस और राजद की लड़ाई पर उनके कार्यकर्ताओ की भृकुटि तनी हुई है। भाजपा अगर लोककल्याण वादे करती है तो विपक्ष में बैठी पार्टियां भाजपा से टेडी नजर रखना उनकी मजबूरी बन जाएगी। अब देखना है बिहार चुनाव में क्या होता है।

कांग्रेस पूरी तरह से राहुल पर निर्भर

अजीत द्विवेदी

ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से राहुल गांधी पर निर्भर होती जा रही है। उनके बगैर कांग्रेस में न तो कोई फैसला हो पा रहा है और न कोई राजनीतिक गतिविधि चल पा रही है। यहां तक कि खुद राहुल की ओर से जो एजेंडा स्थापित किया जा रहा है उसको भी कांग्रेस के नेता आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं। उसके लिए भी राहुल का इंतजार हो रहा है।

सोनिया गांधी के समय तक यह स्थिति नहीं थी। फैसलों के लिए जरूर सोनिया गांधी पर कांग्रेस की निर्भरता थी लेकिन बाकी राजनीतिक गतिविधियां स्वाभाविक रूप से चलती थीं। प्रदेशों के नेता वहां की जरुरत के हिसाब से काम करते थे।

कांग्रेस जहां सरकार में थी वहां सरकार के कामकाज होते थे और जहां विपक्ष में होती थी वहां वह मजबूती से विपक्ष की भूमिका निभाती थी। जिन राज्यों में चुनाव होते थे वहां कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व चुनाव की तैयारी करता था। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस की सरकारों का कामकाज, पार्टी की राजनीतिक गतिविधियां और चुनाव अभियान सब कुछ अकेले राहुल गांधी पर निर्भर है।

इसे कांग्रेस की राजनीति पर नरेंद्र मोदी का प्रभाव कह सकते हैं। जिस तरह से नरेंद्र मोदी अकेले भाजपा की हर राज्य सरकार का संचालन करते हैं, हर राज्य की राजनीति संभालते हैं और लोकसभा से लेकर विधानसभा और नगर निगम के चुनाव लड़ाते हैं, यहां तक कि हर ट्रेन को हरी झंडी भी खुद ही दिखाते हैं उसी तरह कांग्रेस में राहुल गांधी की स्थिति हो गई है। फर्क यह है कि भाजपा में संगठन का एक बड़ा ढांचा है, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लोग हैं और नरेंद्र मोदी के पास अमित शाह हैं।

इसके अलावा भी मोदी और शाह के दिशा निर्देश पर काम करने वाली प्रतिबद्ध लोगों की एक टीम भी है, जो राजनीतिक अभियानों को आगे बढ़ाती है तो बड़ी सफलता के साथ चुनाव प्रबंधन का भी काम करती है। बाकी सरकार में होने की जो सुविधाएं हैं वह तो अपनी जगह हैं ही। मुश्किल यह है कि राहुल गांधी के पास इनमें से कुछ भी नहीं है।

तभी सब कुछ उनको खुद करना होता है और अगर वे नहीं होते हैं यानी विदेश चले जाते हैं या छुट्टी पर होते हैं तो पूरी कांग्रेस पार्टी छुट्टी पर चली जाती है। जैसे अभी राहुल गांधी करीब दो हफ्ते के लिए दक्षिण अमेरिका के दौरे पर गए तो कांग्रेस पार्टी में सब कुछ ठहर गया। बिहार में विधानसभा चुनाव हो रहा है लेकिन राजद के साथ सीट बंटवारे की बातचीत अटकी रही तो कांग्रेस का प्रचार अभियान भी शुरू नहीं हुआ। राहुल जब दक्षिण अमेरिका के दौरे पर थे उसी समय चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी की। योगेंद्र यादव जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं और बिहार में सीपीआई एमएल ने इसमें गड़बडिय़ों का मुद्दा उठाया। खबर है कि करीब 10 हजार मतदाता ऐसे हैं, जिनके नाम काटते वक्त यह नहीं बताया गया है कि किस वजह से उनका नाम कटा है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने नाम काटने की तीन श्रेणियां बनाई हैं। एक श्रेणी मृत लोगों की है, दूसरी स्थायी रूप से शिफ्ट कर

गए लोगों की है और तीसरी जिनके नाम एक से ज्यादा जगहों पर था। लेकिन 10 हजार नामों को इनमें से किसी श्रेणी में नहीं रखा गया है और नाम काट दिया गया है। सोचें, राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को कितना बड़ा मुद्दा बनाया था! वे दो हफ्ते तक बिहार में रहे थे और 23 जिलों की यात्रा की थी।

कांग्रेस के साथ साथ उन्होंने राजद, लेफ्ट, वीआईपी सबको साथ रखा और दो हफ्ते तक इसी काम में लगाए रखा। लेकिन जब एसआईआर का काम अंतिम नतीजे पर पहुंचा यानी अंतिम मतदाता सूची आई तो राहुल गांधी भी गायब और पार्टी भी नदारद। न तो दक्षिण अमेरिका से राहुल गांधी का कोई बयान आया और न प्रदेश में उनकी पार्टी ने कोई विरोध प्रदर्शन किया। चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी करते हुए कहा था कि 10 अक्टूबर को पहले चरण की अधिसूचना जारी होने से पहले तक नाम जोडऩे के लिए आवेदन किया जा सकता है। हकीकत यह है कि 10 अक्टूबर तक नाम जोडऩे का एक भी आवेदन नहीं आया। क्या अब भी राहुल गांधी एसआईआर में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोप लगाएंगे?चुनाव आयोग ने जिस समय बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा की उस समय भी राहुल गांधी देश से बाहर थे। कायदे से तो चुनाव की घोषणा से पहले ही गठबंधन में घटक दलों के साथ सीटों का बंटवारा तय हो जाना चाहिए था। लेकिन चुनाव की घोषणा के बाद भी यह काम अटका रहा।

कांग्रेस के नेताओं ने किसी तरह से इस बारे में फैसला नहीं होने दिया। भाजपा के गठबंधन एनडीए में भी देरी हुई लेकिन वहां यह काम प्रदेश के नेता, संगठन प्रभारी और चुनाव प्रभारी करते रहे, जबकि कांग्रेस में राहुल का इंतजार होता रहा। कांग्रेस की ओर से कहा जा सकता है कि राहुल की गैरहाजिरी का इश्तेमाल कांग्रेस दबाव डालने के लिए कर रही थी। लेकिन वह हकीकत नहीं है। कांग्रेस हर छोटे बड़े फैसले के लिए राहुल का मुंह देख रही है। हरियाणा में दलित समाज के आईपीएस वाई पूरन कुमार ने गोली मार कर खुदकुशी कर ली, जिस पर करीब आठ दिन विवाद चला।

पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत कुमार ने पति के शव का पोस्टमॉर्टम रूकवा दिया और कहा कि जब तक राज्य के पुलिस महानिदेशक और रोहतक के पूर्व एसपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता है तब तक वे पोस्टमॉर्टम नहीं होने देंगी। इसे लेकर चंडीगढ़ में वाल्मिकी समाज ने महापंचायत की। विवाद इतना बढ़ गया कि 17 अक्टूबर को राज्य सरकार के एक साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने का कार्यक्रम रद्द हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी पूरे पंजाब में कैंडल मार्च करती रही और भाजपा को दलित विरोधी ठहराने की राजनीति करती रही। लेकिन इस दौरान कांग्रेस पार्टी नदारद रही। राहुल गांधी विदेश से लौटे तो वे चंडीगढ़ गए और तब कांग्रेस पार्टी एक्शन में आई। सोचें, पंजाब और हरियाणा दोनों राज्यों में कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी है। उसका संगठन भी मजबूत है। हरियाणा में करीब 20 फीसदी और पंजाब में 30 फीसदी से ज्यादा दलित आबादी है। पिछले कुछ दिनों से राहुल गांधी दलित राजनीति साधने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लेकिन इस मामले में भी उनकी पार्टी उनके भरोसे बैठी रही। अगले साल पश्चिम बंगाल और असम के साथ साथ पांच राज्यों के चुनाव हैं। लेकिन केरल छोड़ कर राहुल गांधी का भी कहीं का दौरा नहीं हुआ है। ध्यान नहीं आ रहा है कि वे आखिरी बार पश्चिम बंगाल कब गए थे।असम गए हए भी उनको कितना समय हो गया यह शायद उनको भी ध्यान नहीं होगा। एक तो वे खुद भी मोदी और शाह की तरह मेहनत नहीं कर पाते हैं और न 365 दिन 24 घंटे राजनीति में रमे रहते हैं और दूसरे उनकी पार्टी बिना उनके किसी राजनीतिक अभियान की कल्पना ही नहीं करती है।

विपक्ष को जिस तरह से आक्रामक और सक्रिय रहना चाहिए वैसी आक्रामकता और सक्रियता सत्तारूढ़ दल में दिखती है, जबकि मुख्य विपक्षी पार्टी आलस की मारी दिखाई देती है। इसके बाद अगर चुनाव हार जाते हैं तो चुनाव आयोग, मतदाता सूची, ईवीएम, वोट चोरी आदि की कहानी शुरू हो जाती है।

बिहार चुनाव: मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है-जनता के असली मुद्दों की आवाज़।

राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वाश्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं।

यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका

क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता।

राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर श्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है।

पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है।

यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं।

चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वाश्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है।

हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है।

बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं।

उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रश्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यश्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है।

बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है।

जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

गाँव पेटवाड़ से चीफ जस्टिस तक : जस्टिस सूर्यकांत की प्रेरक यात्रा

मेरे साहित्यिक गुरु पंडित मदन गोपाल जी अब इस भौतिक संसार में नहीं हैं, लेकिन उनके लिखे सैकड़ों पत्र आज भी मेरे पास सुरक्षित हैं। वे पत्र जिनमें केवल शब्द नहीं, बल्कि जीवन का ज्ञान, संवेदना और आत्मा की आवाज़ बसी हुई थी। हर सप्ताह वे मुझे प्रेमपूर्वक पत्र लिखते, साहित्य की बारीकियाँ सिखाते और जीवन में ईमानदारी व कर्म की महत्ता समझाते थे। उनके प्रत्येक पत्र में चरित्र की गहराई, भाषा की सादगी और विचार की ऊँचाई होती थी। आज जब उनके छोटे पुत्र सूर्यकांत जी देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश बने हैं, तो लगता है जैसे उन पत्रों में लिखे संस्कारों ने ही परिवार को यह ऊँचाई दी है। यह केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि गुरु के मूल्यों और शिक्षाओं की विजय है। यह उस भारतीय परंपरा की मिसाल है जहाँ ज्ञान व संस्कार पीढ़ियों तक अपना प्रकाश फैलाते हैं ...

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के हिसार ज़िले का छोटा-सा गाँव पेटवाड़ आज पूरे देश में गर्व और प्रेरणा का प्रतीक बन गया है। इस गाँव की मिट्टी ने वह रत्न दिया है जिसने मेहनत, सादगी, ईमानदारी और निष्ठा के बल पर वकालत से लेकर देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक की यात्रा पूरी की-जस्टिस सूर्यकांत, जो अब भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बने हैं। यह उपलब्धि केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस हरियाणवी संस्कृति, उस परिवार और उस शिक्षा की है जिसने अपने संस्कारों से न्याय, सेवा और समर्पण की भावना को जन्म दिया। जस्टिस सूर्यकांत का जीवन किसी प्रेरक कथा से कम नहीं। चार भाई-बहनों (कमला देवी, ऋषिकांत, देवकांत, शिवकांत, सूर्यकांत) में सबसे छोटे सूर्यकांत ने बचपन से ही मेहनत, अध्ययन और संयम को अपने जीवन का आधार बना लिया था।

उनके पिता पंडित मदन गोपाल जी एक साहित्यप्रेमी और नैतिक मूल्यों वाले व्यक्ति थे। वे अपने बच्चों को हमेशा शिक्षा और ईमानदारी का पाठ पढ़ाते थे। उनके जीवन का बड़ा हिस्सा लोगों को सही राह दिखाने और समाज में नैतिकता की मशाल जलाए रखने में बीता। पंडित मदन गोपाल जी के जीवन के संस्कारों का ही परिणाम है कि उनके पुत्र सूर्यकांत ने न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे हरियाणा और देश को गौरवान्वित किया।

गाँव पेटवाड़ की सादगी, खेतों की मिट्टी की खुशबू, और ग्रामीण जीवन की कठिनाइयाँ शायद वही प्रेरणास्रोत बनीं जिनसे सूर्यकांत ने अपनी राह तय की। गाँव से निकलकर उन्होंने अपनी शिक्षा और वकालत की यात्रा शुरू की। यह आसान सफर नहीं था-न साधन, न सुविधा-लेकिन था अटूट विश्वास और कर्मनिष्ठा। शुरुआती दिनों में उन्होंने सामान्य परिस्थितियों में रहकर अध्ययन किया और धीरे-धीरे अपने ज्ञान और तर्कशक्ति से सबका ध्यान खींचा।

1984 में सूर्यकांत ने वकालत के क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट में वकालत करते हुए न केवल अनेक महत्वपूर्ण मामलों को सुलझाया बल्कि गरीबों और वंचितों के पक्ष में अपनी आवाज़ बुलंद की। उनकी पहचान एक संवेदनशील, निष्पक्ष और गहराई से सोचने वाले अधिवक्ता के रूप में बनी। बाद में जब वे न्यायिक सेवा में आए तो उन्होंने न्यायालय को केवल निर्णय का स्थान नहीं, बल्कि न्याय और मानवीय मूल्यों का मंदिर माना।

उनकी कार्यशैली में सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने कभी भी अपने पद को प्रतिष्ठा का साधन नहीं बनाया, बल्कि सेवा का माध्यम माना। चाहे मामला गरीब किसान का हो, या किसी छोटे व्यापारी का, उन्होंने हर बार अपने निर्णयों में न्याय और संवेदना का संतुलन बनाए रखा। यही कारण रहा कि वे धीरे-धीरे न्यायिक जगत में एक विशिष्ट पहचान बनाते चले गए।

2019 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। यह वह क्षण था जब हरियाणा के लोगों की आँखें गर्व से भर आईं। गाँव पेटवाड़ में उस दिन से लेकर आज तक उनके नाम से एक आत्मीयता जुड़ी है। जब यह समाचार आया कि जस्टिस सूर्यकांत अब देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश होंगे, तो गाँव के हर आँगन में दीपक जले, लोग एक-दूसरे को बधाइयाँ देने पहुँचे, और बुजुर्गों की आँखों से गर्व के आँसू छलक पड़े।

पंडित मदन गोपाल जी भले आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके संस्कार और उनके लिखे सैकड़ों पत्र आज भी परिवार में सहेज कर रखे गए हैं। वे पत्र सूर्यकांत जी के लिए केवल शब्द नहीं, बल्कि प्रेरणा के दीपक हैं। जिन प्रेम, अनुशासन और आत्मीयता से पंडित जी अपने बेटे को हर सप्ताह पत्र लिखते थे, वही आज उनकी आत्मा को शांति देता होगा कि उनका बेटा उसी मार्ग पर चला-सत्य, ईमान और न्याय का। जस्टिस सूर्यकांत का यह उत्थान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है।

यह उस विश्वास का प्रमाण है कि भारत का कोई भी नौजवान, चाहे वह किसी छोटे गाँव से ही क्यों न हो, अगर उसके भीतर लगन और नैतिकता है तो वह किसी भी शिखर तक पहुँच सकता है। उनके जीवन से यह सिखने योग्य है कि सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए केवल प्रतिभा ही नहीं, बल्कि धैर्य, विनम्रता और अनुशासन की भी आवश्यकता होती है।

गाँव पेटवाड़ के लोग बताते हैं कि सूर्यकांत जी हमेशा अपने गाँव और जड़ों से जुड़े रहे। वे जब भी समय निकाल पाते, गाँव आते, बुजुर्गों से मिलते, बच्चों को पढ़ाई की प्रेरणा देते। उनका कहना था कि शिक्षा ही वह ताक़त है जो किसी को भी अंधकार से प्रकाश तक ले जा सकती है। उनकी इस सोच ने न केवल गाँव में, बल्कि पूरे क्षेत्र में युवाओं के भीतर आत्मविश्वास जगाया।

आज जब वे देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर पहुँचे हैं, तो उनके गाँव के लोग यह कहते नहीं थकते कि यह "हम सबकी जीत" है। वाश्तव में यह उस भारत की जीत है जहाँ अब प्रतिभा का मूल्यांकन जन्म या संपत्ति से नहीं, बल्कि कर्म और निष्ठा से होता है।

उनके साथियों का कहना है कि जस्टिस सूर्यकांत बेहद शांत, सरल और सहृदय व्यक्ति हैं। वे अपनी बात को दृढ़ता से रखते हैं लेकिन कभी भी अहंकार से नहीं। सुप्रीम कोर्ट में उनके निर्णयों में यह स्पष्ट दिखता है कि वे केवल कानून की भाषा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भाषा भी समझते हैं। न्यायालय के भीतर वे जितने सख्त हैं, बाहर उतने ही विनम्र और सहज। यही गुण उन्हें आम जनता के बीच प्रिय बनाते हैं।

उनकी पत्नी और परिवार ने भी हर कठिन दौर में उनका साथ दिया। गाँव के लोगों का कहना है कि सूर्यकांत जी के परिवार में संस्कार और आपसी प्रेम आज भी वैसा ही है जैसा पंडित मदन गोपाल जी के समय था। शायद यही वजह है कि सफलता के इतने ऊँचे पद पर पहुँचने के बावजूद उन्होंने कभी अपने भीतर के इंसान को मरने नहीं दिया।

जस्टिस सूर्यकांत की सफलता हमें यह भी सिखाती है कि सच्ची उपलब्धि वही है जो समाज को प्रेरित करे, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए राश्ता दिखाए। जब कोई व्यक्ति अपनी मेहनत से समाज में सम्मान अर्जित करता है, तो उसकी यात्रा केवल व्यक्तिगत नहीं रहती-वह एक पीढ़ी की आकांक्षाओं का प्रतीक बन जाती है।

हरियाणा जैसे राज्य में जहाँ शिक्षा और न्याय के क्षेत्र में अभी भी कई सुधारों की गुंजाइश है, वहाँ से देश का मुख्य न्यायाधीश बनना एक ऐतिहासिक संदेश देता है-कि परिवर्तन गाँव से भी शुरू हो सकता है। पेटवाड़ जैसे छोटे गाँव से उठकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचना यह दिखाता है कि भारत की मिट्टी में आज भी ऐसे बीज हैं जो अगर सही मार्गदर्शन और परिश्रम पाएँ तो पूरे देश को रोशन कर सकते हैं।

आज जब पूरा देश जस्टिस सूर्यकांत को मुख्य न्यायाधीश पद की बधाई दे रहा है, तो यह केवल एक व्यक्ति के लिए तालियाँ नहीं हैं, बल्कि उस हर माँ-बाप के सपनों के लिए भी हैं जो अपने बच्चों को ईमानदारी से बढ़ा रहे हैं, उस हर गाँव के लिए हैं जो अपने बेटों को मेहनत का मूल्य सिखाता है।

सूर्यकांत जी का यह उदय उस "नवभारत" की पहचान है जहाँ न्यायपालिका न केवल कानून का प्रहरी है बल्कि सामाजिक न्याय की आत्मा भी है। उनसे उम्मीद है कि वे अपने कार्यकाल में न्याय प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सरल और जनहितकारी बनाएँगे। उनकी सोच और अनुभव निश्चित रूप से देश की न्याय व्यवस्था को एक नई दिशा देंगे।

गाँव पेटवाड़ के उस छोटे से आँगन से लेकर सुप्रीम कोर्ट के विशाल भवन तक की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि जो व्यक्ति अपने मूल्यों से कभी समझौता नहीं करता, उसे मंज़िलें खुद बुलाती हैं। जस्टिस सूर्यकांत आज न केवल अपने गाँव के बेटे हैं, बल्कि हर उस भारतीय के प्रेरणास्रोत हैं जो यह मानता है कि सत्य और परिश्रम से बढ़कर कोई धर्म नहीं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

राज्य मंत्री होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश श्री धर्मवीर प्रजापति का भ्रमण कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा, उत्तर प्रदेश श्री धर्मवीर प्रजापति जी 24 अक्टूबर 2025 (शुक्रवार) को दोपहर 13:30 बजे इटावा के सिंचाई विभाग स्थित निरीक्षण भवन से प्रस्थान करेंगे। उनके मार्ग में शिकोहाबाद, जसराना, एटा, कासगंज एवं अतरौली पड़ाव शामिल हैं। भ्रमण के उपरांत वह सायं 06 बजे एनएपीएस गेस्ट हाउस, नरौरा (जनपद बुलन्दशहर) में आगमन करेंगे, जहाँ रात्रि विश्राम का कार्यक्रम निर्धारित है। मा० मंत्री जी के शेष कार्यक्रम उनके आदेशानुसार क्रमशः जारी किए जाएंगे।

जिला स्तरीय उद्योग बन्धु बैठक 27 अक्टूबर को

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर को कलैक्ट्रेट सभागार में जिला शतरीय उद्योग बन्धु की बैठक दोपहर 01 बजे से आयोजित होगी। संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए विभागीय अधिकारियों से अनुरोध किया है कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्रदर्शित समय-सीमा के उपरांत लम्बित प्रकरणों, ग्रेवियंश, फीडबैक आदि की पूर्ण सूचनाओं एवं विगत बैठक की अनुपालन आख्या सहित जिला शतरीय उद्योग बन्धु बैठक में ससमय स्वयं प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

सैंथली गांव डबल मर्डर केस में परिजनों का धरना, न्याय की गुहार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। जारचा थाना क्षेत्र के सैंथली गांव में हुई ताऊ-भतीजे की हत्या के मामले में अब तक मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से मृतकों के परिजनों में गहरा आक्रोश है। शुक्रवार को परिजन सूरजपुर स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे और न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाया कि घटना को पांच दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नामजद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। गौरतलब है कि 20 अक्टूबर को सैंथली गांव में नाली के पानी को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। बताया जाता है कि गांव में पुराने विवाद को सुलझाने के लिए पंचायत बुलाई गई थी, लेकिन पंचायत के दौरान ही दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और अचानक गोलियां चलने लगीं। फायरिंग में 55 वर्षीय अजयपाल भाटी और उनके 21 वर्षीय भतीजे दिपांशु भाटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पीड़ित पक्ष के अनुसार, आरोपियों में प्रिंस भाटी, बोबी तोंगड़ और मनोज नागर ने पंचायत के बीच हथियार निकालकर अंधाधुंध फायरिंग की थी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी अब तक फरार हैं। इस वारदात के बाद से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। परिजनों का कहना है कि नामजद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, वे आंदोलन जारी रखेंगे।

सामाजिक समरसता का संदेश दिया

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। सेक्टर जीटा-एक स्थित आम्रपाली ग्रैंड सोसाइटी में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से सामाजिक समरसता कार्यक्रम किया गया। इसका उद्देश्य लोगों में एकता, भाईचारा और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने सोसाइटी में कार्यरत सुरक्षा गार्ड, सफाई कर्मचारी, माली, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर और मेंटेनेंस विभाग के कर्मचारियों को उपहार दिए।

जिलाधिकार की अध्यक्षता में किसान दिवस की बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन, गाजियाबाद में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें उप कृषि निदेशक, गाजियाबाद द्वारा गत किसान दिवस की शिकायतों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी।

कृषक श्री अजीत चौधरी द्वारा ग्राम भोजपुर में चौ० चरण सिंह यादगार स्थल पर लाइट न लगने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी है। जिस पर जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा जिला पंचायतराज अधिकारी, गाजियाबाद को निर्देशित किया गया कि अतिशीघ्र उक्त स्थल पर लाइट लगवाना सुनिश्चित करे। कृषक सदाकत अली (उर्फ छोटे चौधरी) द्वारा ग्राम पंचायत रसूलपुर सिकरौड़ा में सड़क पर गड्ढे के सम्बन्ध में शिकायत की गयी। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग खण्ड-2 गाजियाबाद को अतिशीघ्र निरीक्षण कर शिकायत का निश्तारण करने हेतु निर्देशित किया।

जिला गन्ना अधिकारी, गाजियाबाद को निर्देशित किया गया कि गन्ना मूल्य का भुगतान चीनी मिल द्वारा तैयार की गयी समय सारणी अनुसार तत्काल कराया जाये। इस प्रकार कुल 18 शिकायत कृषकों द्वारा प्रेषित की गयी। जिसके निश्तारण हेतु उपस्थित जनपद श्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय सीमा अन्तर्गत शिकायतों का निश्तारण गुणवत्ता पूर्ण करना सुनिश्चित करे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर नगर आयुक्त, जिला गन्ना अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता (नहर), विशेष कार्याधिकारी, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, परियोजना अधिकारी, एन.एच.ए.आई., मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य आदि जनपद श्तरीय अधिकारी एवं लगभग 80 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अंडर पास की मांग को लेकर भाजपा नेत्री के नेतृत्व में

सड़क परिवहन मंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

हेमराज कॉलोनी मार्ग पर अंडरपास निर्माण कराए जाने की मांग को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को संबोधित ज्ञापन डीएम को दिया गया।

वरिष्ठ भाजपा नेत्री डा. मंजू चौधरी के नेतृत्व में पहुंचे कई गांवों के ग्रामीणों ने ज्ञापन में कहा कि बैराज से शुरू होकर रावली तक विस्तृत लगभग 25 ग्राम एक-दूसरे से जुड़े हैं और उनका मुख्य आवागमन उसी मार्ग से होता है जो बैराज से उतरने पर हेमराज कॉलोनी के समक्ष निकलता है। यह मार्ग वर्तमान में भारी ट्रैफिक का प्रमुख श्रोत बन चुका है।

स्थानीय लोगों किसान, मजदूर, पशुपालक व ट्रैक्टर-ट्राली चालक के लिए अत्यन्त असुरक्षित सिद्ध हो रहा है। पिछले 6-7 महीनों से ग्रामवासी लगातार धरने दे रहे हैं, परन्तु अभी तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। हाल में एनएचएआई के पीडी अमित एवं एसडीओ आशीष शर्मा के साथ हुई वार्ता में बताया गया कि केवल सर्विस लेन व यू-टर्न की अनुमति दी गई है, किन्तु यह इंतज़ाम स्थानीय आवश्यकताओं व सुरक्षा के अनुरूप अपर्याप्त है। भारी वाहनों के बीच ट्रैक्टर-ट्राली, भैंसा-बुग्गी तथा स्थानीय किसान सुरक्षित रूप से हाईवे क्रॉस नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसानों की जमीनें हाईवे के दूसरी ओर हैं और पशुपालकों को रोज़ यह मार्ग पार करना पड़ता है यह परिस्थिति जीवन व आजीविका दोनों के लिए खतरनाक है। डीपीआर बनाने से पूर्व इन व्यावहारिक समस्याओं का सम्यक मूल्यांकन क्यों नहीं किया गया, इस पर भी स्पष्टीकरण अपेक्षित है। डीएम से मांग की गई कि केंद्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग नितिन गडकरी जी को इस जनहित मुद्दे से अवगत कराकर अंडरपास निर्माण के लिए आवश्यक हस्तक्षेप कराएं।

एनएचएआई संबंधित विभाग को निर्देश दें कि इस मार्ग के लिए विस्तृत सुरक्षा व यातायात अध्ययन करा कर तात्कालिक व दीर्घकालिक समाधान विशेषकर अंडरपास का डीपीआर तैयार करवाया जाए। जिला प्रशासन की ओर से शीघ्र ही ऐसी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करवाई जाएँ जिससे ग्रामवासी अपनी दैनिक गतिविधियाँ सुरक्षित रूप से कर सकें। साथ ही हमें किए गए कदमों की लिखित सूचना प्रदान की जाए। हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हमारा प्रथम आश्रय शान्तिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण समाधान ही है; परन्तु यदि समस्या का त्वरित और ठोस निवारण न हुआ तो प्रभावित ग्रामवासी मार्ग पर संगठित होकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

डा.मंजु चौधरी के साथ ज्ञापन देने वालों में दिलीप अधिकारी, दीपक बाला, मनोरंजन, अमृत मंडल, नेपाल मंडल, नकुल हालदार, दिलीप बाला, राहुल शाह, आनंद मंडल, लक्ष्मीकांत, राजेश, शिवा पाल, विवेक विश्वास, देव कुमार, प्रेम, उत्तम हलदार, अंशुल मिस्त्री, गोविन्द विश्वास, सोनू वाला, हर्षित मिस्त्री, बलराम मंडल, मिलन मिस्त्री, विपुल विश्वास, भोला विश्वास, गोपी शील, विश्वजीत मंडल, अंकित हलदार, श्याम राय, अनंत सिकंदर, रोहित मिस्त्री आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज-5... महिलाओं, बच्चों को सशक्त एवं जागरूक करना ही उदेश्य

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत मिशन शक्ति टीम एवं कोतवाली पुलिस द्वारा धामपुर नगर में आज महिलाओं और बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

इस दौरान क्षेत्रधकारी अभय कुमार पाण्डेय ने महिलाओं और बच्चों को महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन नंबर 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए महिलाओं को घरेलू हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने, अपने अधिकारों को जानने और सुरक्षित रहने के लिए जागरूक किया गया।

किशोरियों और लड़कियों को मोबाइल और सोशल मीडिया पर परेशान करने, अश्लील संदेश भेजने तथा साइबर अपराध से बचने और साइबर अपराध होने की स्थिति में कार्रवाई के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी! स्वास्थ्य सेवाओं और एंबुलेंस सुविधाओं के बारे में भी बिंदुवार तरीके से बताया!

कोतवाली पुलिस और मिशन शक्ति टीम ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाना और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है।

शराब पिलाने के बाद 1900 रुपए निकाल कर घर से दिया धक्का

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

थाना क्षेत्र के मोहल्ला स्योहारा चुंगी का मामला। विशाल पुत्र नरेंद्र ने बल्लु पुत्र टिल्लू को घर पर आकर कहा कि कारीगर के पास हमने जो काम किया था चल उस पैसे लेकर आते हैं। दोनो जैसे ही कारीगर के घर पहुंचे तो कारीगर ने दोनों को पैसे दे दिए।

पैसे लेकर जैसे ही कारीगर के घर से निकले विशाल बोलता है कि चल बल्लू दीपावली की आज दावत करेंगे ।बल्लू को खूब डटकर विशाल ने शराब पिलाई और शराब पिलाकर अपने घर ले गया।

आरोप है कि घर ले जाकर उसकी बहन उसके छोटे भाई और विशाल ने मिलकर एक राय होकर बल्लू के 1900 निकालकर घर से धक्का देखकर निकाल दिया। साथ ही कहां कि अगर आज के बाद हमारे घर पर आया तो तुझे जान से मार देंगे। बल्लू ने अपने घर पहुंच कर अपनी दादी मां से कहा कि विशाल उसकी बहन छोटे भाई ने मिलकर मेरे ₹1900 निकाल लिए और मुझे जान से मारने की धमकी दी। जैसे ही दादी मां विशाल के घर पर पहुंची और विशाल उसकी बहन उसके भाई से कहा कि मेरे बेटे के पैसे दो तुमने पैसे क्यों निकले और क्यों शराब पिलाई।

इतना सुनते ही विशाल पुत्र नरेंद्र उसकी बहन उसका छोटा भाई पुत्र नरेंद्र आग बबूला हो गए । उससे कहा कि हम तो ऐसा ही करते हैं जो तुमसे हो कर लो। ज्यादा बोले तो तुम्हें झूठे केस में अभी फसाएंगे।

मैं एक लड़की हूं जो भी झूठा आरोप लगाकर तुम्हें जेल भिजवा दूंगी। तुम हमारा कुछ नहीं बिगड़ सकती हम पर मोहल्ले वासी भी विश्वास करेंगे।

अगर पुलिस प्रशासन इसकी जांच करें दूध का दूध पानी का पानी अलग हो जाएगा।

गुलदार का बहाना प्रेमी संग फरार युवती देहरादून से हुई गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

वन विभाग की टीम तथा स्थानीय पुलिस महिला को जंगल में खोजती रही। लेकिन महिला प्रेमी संग फरार हो गई ।एक्शन में आया पुलिस प्रशासन महिला को देहरादून से किया गिरफ्तार।

नहटौर क्षेत्र के गांव नन्हेड़ा में जिस युवती को गुलदार द्वारा उठा ले जाने की सूचना पर कई घंटों तक पुलिस व वन विभाग की टीम कई किलोमीटर तक जंगलों में तलाशती रही ।उस युवती के देहरादून में बरामद होने पर हर कोई सकते में रह गया है। देहरादून में उसके होने की सूचना पर पुलिस देहरादून के लिए रवाना हो गई है।जिसके बाद वन विभाग व पुलिस ने राहत की सांस ली है।

नहटौर क्षेत्र के गांव राजपुर नन्हेड़ा निवासी योगेश की 20 वर्षीय पुत्री साक्षी अपनी मां विनोद देवी व बहन पूजा के साथ जंगल गई थी। वह जंगल में शौच के लिए एक के खेत में चली गई। कुछ देर बाद उसकी मां व बहन ने गुलदार के उठा ले जाने की बात कहते हुए शोर मचा दिया। जिसके बाद सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण भी मौके पर आ गये।

इसके बाद वन विभाग व पुलिस और ग्रामीणों ने ईख का चप्पा चप्पा छान दिया ।लेकिन उसका कोई अता पता नहीं लग सका। ग्रामीण व वन विभाग की टीम उसे कई किलोमीटर तक जंगलों में तलाशती रही। गुरुवार की सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक वन विभाग व ग्रामीण जंगल में उसे तलाशते रहे। शाम के समय उसके भाई सचिन के नंबर पर देहरादून से साक्षी का फोन आया कि वह देहरादून में है। जिस को लेकर वन विभाग व पुलिस ने राहत की सांस ली है।

पुलिस देहरादून के लिए रवाना हो गई है। जिसे जंगल में ढूंढते रहे वह देहरादून में मिली। थाना अध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि साक्षी देहरादून में होने की सूचना मिली है। पुलिस उसके लेने के लिए रवाना हो गई है।

जंगल-जंगल निकलकर पहुँची देहरादून

पुलिस पूछताछ में युवती ने बताया कि वह अपने परिजनों को चकमा देकर जंगल के राश्ते होते भी नूरपूर रोड़ पहुंची और जहां से वह बस के द्वारा देहरादून पहुंच गई थी। वह बीए पास है जिसके चलते वह देहरादून में नौकरी करने के लिए गई थी अपने परिजनों को देहरादून में होने की जानकारी दी थी

शहर में लगे भीषण जाम से राहगीर परेशान, घंटों तक फंसे रहे जाम में वाहन

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर में भाई-दूज के दिन जगह जगह भीषण जाम देखने को मिला। घंटों तक लोग अपने वाहनों के साथ जाम में फंसे नजर आए।जाम की वजह से लोगों का गाड़ीयों के साथ साथ पैदल चलने वाले व्यक्तियों को भी जाम से परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

नगर के व्यशततम चौराहे, ओवर ब्रिज पर अक्सर जाम लगा रहता है। डबल फाटक स्थित फ्लाई ओवर ब्रिज पर देखते ही देखते भीषण जाम लग गया।जाम लगने से वाहन स्वामी घंटों तक जाम में फंसे रहे। थम्स अप चौराहे पर पैदल चलने वाले के लिए भी जगह नहीं मिली।

नगर के व्यशततम चौराहे पर जगह-जगह लगे जाम में कई स्थानों पर दिन भर भीषण जाम लगा रहा ।जाम से निकलने के चक्कर में ई-रिक्शा चालकों व बाइक सवारों ने हालत और ज्यादा खराब कर दी।

इससे लोगों को पैदल निकलने के लिए भी जगह नहीं मिल सकी। नगर के व्यशततम चौराहों पर जाम के कारण जाम का असर फ्लाई ओवर ब्रिज पर भी दिखाई दिया बताते चले कि डबल फाटक स्थित फ्लाई ओवर ब्रिज पर अक्सर जाम देखने को मिलता है जिसमें कई बार एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती हैं जिससे एंबुलेंस को भी घंटों तक खड़ा रहना पड़ता है।

भाई-दूज के दिन दिन भर नगर में भीषण जाम की समस्याओं से राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम को खुलवाने में ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

बांटपुरा की जनता का पूर्व सांसद ने किया आभार

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

विगत वर्ष से ग्राम बाटंपुरा के गन्ना किसान आंदोलनरत थे। इस बात के लिए ग्रामीणों ने पूर्व सांसद राजा भारतेन्द्र को अवगत कराया था।

जिस पर पूर्व सांसद ने इस विषय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समक्ष वार्ता कर अवगत कराया था।पूर्ण सांसद इस संबंध में प्रमुख सचिव गन्ना बीना कुमारी मीणा एवं गन्ना आयुक्त श्रीमती मिनिश्ती से भी मिले थे। दोनों अधिकारियों ने पूर्व सांसद को आश्वश्त किया था कि गन्ना क्रय केंद्र बाटंपुरा एवं भगैन को अन्य चीनी मिल से समृद्ध कराया जाएगा।

इस बात से किसानों ने पूर्व सांसद राजा भारतेंदु सिंह का गांव में जोरदार स्वागत किया था। ग्राम वासियों द्वारा पूर्व सांसद का स्वागत करने पर उन्होंने सभी ग्राम वासियों का आभार प्रकट किया।

पूर्व सांसद ने बताया कि ग्राम बाँटपुरा में गन्ना केंद्र परिवर्तन के पश्चात जब मैं पहुंचा, तो ग्राम बाँटपुरा व कल्याणपुर के किसानों ने जिस गर्मजोशी और प्रेम से मेरा स्वागत किया, वह मेरे लिए अत्यंत भावुक और गर्व का क्षण था।

गांव में उत्सव जैसा माहौल था। मिठाई से मुंह मीठा कराया गया और हर चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। यह सिर्फ एक स्वागत नहीं था, यह मेरे और मेरे ग्रामवासियों के बीच अटूट विश्वास और साथ का प्रतीक था।

मैं माननीय मुख्यमंत्री जी एवं गन्ना प्रमुख सचिव महोदय का भी विशेष धन्यवाद करता हूं।, जिन्होंने किसानों की भावनाओं को समझते हुए यह परिवर्तन संभव किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित सभी सम्माननीय ग्रामवासी व क्षेत्रवासी जयवीर सिंह, जोगेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, यादराम शर्मा, अकुल कुमार, रवि तोमर, अरविंद सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, मलखान सिंह, अनिल कुमार, अशोक कुमार, जगदेव सिंह का आभार जताया।

मिट्टी से भरी ट्रैक्टर ट्राली ने ली मासूम की जान

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम करौंदा चौधर में गुरुवार सुबह लगभग 8:30 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ। मोहम्मद कामिल अंसारी का तीन वर्षीय पुत्र शायान घर के सामने सड़क किनारे खेल रहा था, तभी मिट्टी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली तेज रफ्तार से आई और मासूम को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर रोशनपुर प्रताप की ओर से करौंदा पचदू की दिशा में आ रहा था। गांववालों ने ड्राइवर को आवाज दी कि बच्चे के नीचे ट्रैक्टर आ गया है, लेकिन चालक ने ट्रैक्टर नहीं रोका और लगातार आगे बढ़ता रहा। कुछ दूरी पर जाकर उसने ट्रैक्टर रोका और वहां से फरार हो गया।

मृतक शायान की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में कोहराम मच गया। पीड़ित पिता मोहम्मद कामिल अंसारी ने थाना कोतवाली देहात में लिखित शिकायत दी है, जिसमें ड्राइवर मिथुन पुत्र हरि सिंह निवासी ग्राम हीमपुर मानक, जिला बिजनौर को दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने मांग की है कि चालक की लापरवाही व तेज गति के चलते हुई इस मौत पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए।

मासूम शायान की मौत से पूरे गांव में माहौल गमगीन है। परिजन बेसुध हैं और ग्रामीण प्रशासन से तत्काल न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामला दर्ज कर ट्रैक्टर व चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एएमयू पैरामेडिकल कॉलेज ने रक्तदान शिविर में बनाया रिकॉर्ड

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल कॉलेज ने वार्षिक सर सैयद दिवस समारोह के तहत एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें कॉलेज ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

'ए ड्रॉप फॉर ह्यूमैनिटी' (मानवता की एक बूंद) थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान जेएन मेडिकल कॉलेज के ब्लड एंड कंपोनेंट सेंटर के लिए 40 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. काजी एहसान अली ने विद्यार्थियों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के निस्वार्थ कार्य सर सैयद अहमद खां के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं और भविष्य के स्वास्थ्यकर्मियों से अपेक्षित सामुदायिक सेवा के सर्वोच्च आदर्शों का प्रतीक हैं।

पैथोलॉजी विभाग के डॉ. मोहसिन एजाज ने इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन और संयोजन किया, ने कहा कि जेएन मेडीकल में रक्तदान की नियमित आवश्यकता रहती है, विशेष रूप से ट्रॉमा और थैलेसीमिया रोगियों के लिए।

बैचलर इन मेडिकल लैबोरेटरी साइंस के विद्यार्थियों ने इस शिविर का नेतृत्व किया और इसे कुशलतापूर्वक संचालित किया।

एएमयू में पूर्व अरबी प्रोफेसर डॉ. अब्दुल बारी के निधन पर शोक सभा का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा विभाग के पूर्व प्रख्यात शिक्षक प्रो. अब्दुल बारी के निधन पर एक शोकसभा आयोजित की गई। प्रो. बारी का गत 19 अक्टूबर को अलीगढ़ स्थित उनके निवास पर निधन हो गया था।

विभागाध्यक्ष प्रो. मोहम्मद सना उल्लाह नदवी ने 1988 से प्रो. बारी के साथ अपने लंबे संबंधों को याद करते हुए उन्हें अपने शैक्षणिक जीवन के सबसे प्रेरणादायक शिक्षकों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि उमय्यद काल के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं तथा अरबी साहित्य पर प्रो. बारी की विद्वत्तापूर्ण समझ को व्यापक रूप से सराहा गया।

प्रो. नदवी ने बताया कि उन्होंने प्रो. बारी के साथ लीबिया की एक शैक्षणिक यात्रा की थी, जहां उन्होंने उनकी विनम्रता और उदारता को नजदीक से अनुभव किया। उन्होंने उन्हें एक धर्मनिष्ठ विद्वान, कुशल शिक्षक और बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति के रूप में वर्णित किया।

प्रो. तौकीर आलम फलाही (सुन्नी थियोलॉजी विभाग) ने प्रो. बारी को एक विनम्र, ईमानदार और समर्पित शिक्षक के रूप में याद किया, जिन्होंने अपने सहयोगियों और विद्यार्थियों का सदा धैर्य और स्नेहपूर्वक मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि प्रो. बारी की ईमानदारी और शैक्षणिक अनुशासन ने हर उस व्यक्ति पर गहरा प्रभाव छोड़ा जो उनके साथ काम करता था।

प्रो. गुलाम मुरसलीन (पूर्व अध्यक्ष, पश्चिम एशियाई अध्ययन विभाग) और प्रो. उबैदुल्लाह फहद (पूर्व अध्यक्ष, इस्लामिक अध्ययन विभाग) ने भी प्रो. बारी की यादें साझा कीं और विद्यार्थियों के प्रति उनके मार्गदर्शन और करुणा की प्रशंसा की।

प्रो. अबू सुफयान इस्लाही ने उन्हें एक उदार हृदय वाले विद्वान के रूप में याद किया, जो समुदाय की स्थिति को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे। वहीं प्रो. मोहम्मद समी अख्तर फलाही ने विभाग के कुशल संचालन और अनेक शोधार्थियों के मार्गदर्शन में उनकी भूमिका को रेखांकित किया।

वीमेन्स कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मसूद अनवर अल्वी ने प्रो. बारी को काव्यात्मक श्रद्धांजलि अर्पित की और 1976 से जुड़ी अपनी स्मृतियाँ साझा करते हुए उनकी विनम्रता और आध्यात्मिकता पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. सैयद कफील अहमद कासमी (पूर्व डीन, कला संकाय) ने कहा कि यद्यपि प्रो. बारी ने अलीगढ़ से बाहर शिक्षा प्राप्त की, लेकिन अपने चरित्र, विद्वता और सेवा के माध्यम से वे एएमयू परिवार का अभिन्न अंग बन गए। उन्होंने 17 एम.फिल. और 21 पीएच.डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया, जिनमें भारत और विदेश के विद्यार्थी शामिल थे। प्रो. बारी को उनकी विद्वता, विनम्रता और साहित्य एवं सुगंध के प्रति प्रेम के लिए सदैव याद किया जाएगा। शोकसभा का समापन डॉ. अशहद जमाल नदवी द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए की गई दुआ से हुआ।

प्रो. बारी अपने पुत्रों मोहम्मद मुबाशिर, मोहम्मद मुंजिर, और मोहम्मद मुनव्वर, तथा दामाद मसूद को छोड़ा है।

आईआईएससी बेंगलुरु राष्ट्रीय हैकाथॉन में एएमयू छात्रों ने जीता दूसरा पुरस्कार

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बी.टेक द्वितीय वर्ष के छात्र मोहम्मद अयान और ताबिश शाह मोहसिन ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने "द बेंगलुरु लास्ट माइल चैलेंज 2025" नामक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय श्तरीय हैकाथॉन में दूसरा पुरस्कार हासिल किया। यह प्रतियोगिता भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन, नम्मा यात्री, और मारुति सुजुकी के सहयोग से आयोजित की गई थी।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य डेटा-आधारित, नवाचारी समाधानों के माध्यम से बेंगलुरु की अंतिम चरण (लास्ट माइल) कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना था, ताकि एक बुद्धिमान और टिकाऊ बहु-मॉडल परिवहन प्रणाली विकसित की जा सके। देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों की टीमों के बीच कड़े मुकाबले में एएमयू के इन दोनों छात्रों ने मशीन लर्निंग और अर्बन मोबिलिटी एनालिटिक्स के रचनात्मक एकीकरण द्वारा अपनी तकनीकी दक्षता से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। इनकी यह उपलब्धि एएमयू की कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और बुद्धिमान परिवहन प्रणाली के क्षेत्र में बढ़ती सशक्तता

सेमीफाइनल की चार टीमें तय, जानें भारत का किस टीम से हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप का ग्रुप चरण अब अपने अंतिम दौर में है और सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जबकि न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया है। भारत ने गुरुवार को न्यूजीलैंड से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारत ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हराकर महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस महत्वपूर्ण मुकाबले में बारिश ने खलल डाली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 49 ओवर में तीन विकेट खोकर 340 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो एक बार फिर बारिश आई और डीएलएस पद्धति के तहत उन्हें 44 ओवरों में 325 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। इस तरह हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को लगातार तीन मैचों में हार के बाद आखिरकार जीत मिली। यह जीत उसके लिए खास रही क्योंकि इससे वह अंतिम चार में पहुंचने में सफल रही। भारत ने महिला विश्व कप के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था और फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को मात दी थी। लेकिन उसे दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम न्यूजीलैंड को हराकर जीत की राह पर लौटने में सफल रही। भारतीय महिला टीम ने छह में से तीन मैच जीते हैं और तीन में उसे हार मिली है। टीम फिलहाल छह अंक लेकर चौथे स्थान पर है और उसका नेट रनरेट भी +0.628 का है। भारत को अब ग्रुप चरण के आखिरी मैच में बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है।

विराट-रोहित आज ऑस्ट्रेलिया में आखिरी मैच खेलेंगे

2027 तक यहां इंडिया की सीरीज नहीं, टीम पर ऑस्ट्रेलिया से पहली बार क्लीन स्वीप का खतरा

सिडनी (एजेंसी)। ये प्रदर्शन टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली का है। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक अपना खाता नहीं खोल सके हैं। शनिवार को सिडनी में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाना है। मुमकिन है कि यह विराट कोहली और लंबे समय से उनके टीम मेट रहे रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर आखिरी इंटरनेशनल मैच हो। इस मैच में दोनों सितारों से इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस आना जरूरी है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब टीम पर पहली बार क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। कंगारू वनडे क्रिकेट में भारत को अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सके हैं। एक दिन पहले 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मुकाबला 2 विकेट से जीता था। टीम को पहले मैच में 7 विकेट की जीत मिली थी।

इसीलिए ऑस्ट्रेलिया में रोहित-कोहली का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता

कोहली 36 और रोहित 38 साल के हो चुके हैं। दोनों टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। फ्यूचर टूर प्रोग्राम के अनुसार अगले 2 साल में भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है। इसका मतलब हुआ कि अगर रोहित-कोहली 2027 में साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेलते भी हैं तो भी ऑस्ट्रेलिया में अब वे कोई मैच नहीं खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ क्लीन स्वीप नहीं कर पाया

इस मुकाबले में भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को वनडे सीरीज में अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सकी है। दोनों टीमों 1984 से वनडे सीरीज खेल रही है। जब पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय दौरे पर आई थी, तब 5 मैचों के 3 मुकाबले जीते थे, लेकिन 2 मैच बेनतीजा रहे।

सिडनी में 9 साल से नहीं जीता भारत

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में भारतीय टीम का रिकॉर्ड खराब है। टीम ने यहां पिछले 9 साल से कोई वनडे मैच नहीं जीता है। भारतीय टीम को पिछली जीत 23 जनवरी 2016 को मिली थी। उसके बाद से टीम इंडिया ने यहां लगातार 3 मुकाबले गंवाए हैं। ऑस्ट्रेलियन पिचों पर दोनों टीमों के बीच 56 मैच खेले गए हैं, इनमें से 40 मुकाबले मेजबान टीम ने जीते हैं। 14 मैच भारत के पक्ष में रहे हैं। 2 मैच नो रिजल्ट रहे। ओवरऑल हेड-टु-हेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया ने 154 मैच हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 86 और भारत ने 58 मैच जीते हैं। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

शुभमन गिल बने दुर्भाग्यशाली कप्तान, एडिलेड में भारत का सुनहरा रिकॉर्ड टूटा

एडिलेड (एजेंसी)। एडिलेड ओवल पर गुरुवार को खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। यह मुकाबला सिर्फ हार नहीं था बल्कि कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह भी बना। भारतीय कप्तान शुभमन गिल

अपने कप्तानी करियर के पहले दो वनडे हारने वाले सिर्फ छठे भारतीय कप्तान बन गए।

एडिलेड में टूटा भारत का अपराजित सिलसिला– इस हार के साथ ही भारत का एडिलेड ओवल पर जीत का रिकॉर्ड टूट गया। फरवरी 2008 में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद से भारत इस मैदान पर छह वनडे लगातार जीत चुका था। यह सिलसिला 17 साल बाद थम गया।

कप्तानी करियर की निराशाजनक शुरुआत

शुभमन गिल अब मोहम्मद अजहरुद्दीन, केएल राहुल, क्रिस श्रीकांत, दिलीप वेंगसरकर और अजीत वाडेकर जैसे कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने कप्तान के रूप में अपने शुरुआती दो वनडे गंवाए।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी (एजेंसी)। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई।

सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं। 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोटर्स् शील्ड जीतने में मदद मिली है।

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे। इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी वर्ल्डकप से पाकिस्तान हटा

इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन ने कन्फर्म किया, कहा- नई टीम का ऐलान जल्द करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की टीम भारत में 28 नवंबर से होने जा रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से हट गया है। इंटरनेशनल हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

मीडिया सूत्र के हवाले से लिखा कि पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने आधिकारिक तौर पर सूचित किया है कि उसकी टीम इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम खेलेगी, इसका ऐलान जल्द किया जाएगा। पाकिस्तान को पूल बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति है।

भारत ने 2023 में चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को ही 2-1 से हराया था।

हॉकी एशिया कप से भी हट गया था पाकिस्तान

पाकिस्तान ने पिछले महीने बिहार के राजगीर स्टेडियम में आयोजित हॉकी एशिया कप से भी नाम वापस ले लिया था। ओमान भी हट गया था। उनकी जगह बांग्लादेश और कजाकिस्तान को टूर्नामेंट में जगह दी गई थी।

टीम इंडिया ने नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इनकार किया

भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। नकवी एसीसी चेयरमैन होने के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ भी हैं। साथ ही वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

सिडनी वनडे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में बदलाव

जैक एडवर्ड्स को मौका, लाबुशेन को रिलीज किया, स्टार्क-हेजलवुड को आराम मिल सकता है

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी वनडे से पहले न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को बुलाया गया है। उन्हें पहली बार ऑस्ट्रेलिया की इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वनडे और टी-20 टीमें जारी की।

इसके अनुसार, आखिरी वनडे के लिए मैथ्यू कुह्नेमन की वापसी हुई है। जबकि, मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम से रिलीज कर दिया गया है। ताकि, वे अगले हफ्ते मंगलवार से शुरू होने वाले शील्ड मैच में क्वींसलैंड के लिए खेल सकें।

25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे में टीम मैनेजमेंट हेजलवुड या स्टार्क को आराम दे सकता है। कंगारू टीम ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है।

ऑस्ट्रेलिया के वनडे और टी-20 टीम के बदलाव– जोश हेजलवुड और शॉन एबॉट भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मैच नहीं खेलेंगे। दोनों न्यू साउथ वेल्स से शील्ड मैच खेलने जाएंगे। हेजलवुड सिर्फ पहले दो टी20 मैच खेलेंगे, जबकि एबॉट तीसरे मैच के बाद टीम छोड़ देंगे। मैथ्यू कुह्नेमन और जैक एडवर्ड्स को तीसरे वनडे के लिए टीम में जोड़ा गया है। जॉश फिलिप को टी20 टीम में एक्स्ट्रा विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है, क्योंकि जोश इंग्लिस चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं।

ग्लेन मैक्सवेल कलाई की चोट के कारण शुरुआती 2 टी-20 मैच नहीं खेल सकेंगे। वे आखिरी 3 मैचों में वापसी करेंगे।

बेन ड्वार्शियस भी चोट से उबरकर चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए टीम में जुड़ेंगे। वेस्ट ऑस्ट्रेलिया के 20 साल के तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को आखिरी तीन टी20 मैचों के लिए चुना गया है। उन्होंने हाल ही में पर्थ स्कॉर्चर्स और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जैक एडवर्ड्स ने भारतीय दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लखनऊ में 88 रन बनाए थे और कानपुर में खेले गए वनडे मैचों में 4 विकेट लिए और 89 रन बनाए थे। हालांकि, वे अपनी टीम को दो फॉर्मेट की सीरीज में जीत नहीं दिला सके थे। 2 मैचों की फर्स्ट क्लास सीरीज को भारत ने 1-0 से, जबकि 3 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीता था। भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर ने की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से 2 वनडे जीते

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे सीरीज के शुरुआती 2 मुकाबलों में भारतीय टीम पर जीत हासिल की है। टीम ने एडिलेड में दूसरा मुकाबला 2 विकेट और पर्थ में पहला मैच 7 विकेट से जीता था।

5 मैचों की टीम 2-0 सीरीज 29 अक्टूबर से

वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया को आपस में 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज का पहला मुकाबला कैनबरा दोपहर 1:45 बजे से खेला जाएगा।

हार के बाद बोली न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन

हम भारत की तरह नहीं हैं,हमारे पास एक अरब लोग नहीं है

मुंबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत के खिलाफ अपनी टीम की हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट के मामले में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को यहां भारत से बड़ी हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हमारे पास एक अरब लोग नहीं हैं जिनसे संपर्क किया जा सके। हम वास्तव में दुनिया के सबसे निचले पायदान पर स्थित एक छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। डिवाइन ने कहा, 'यहां एक अरब लोग हैं और यहां जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से बहुत भिन्न है।

करणबीर सिंह ने लिखा इतिहास, सूर्यकुमार और रिजवान का टी-20 रिकॉर्ड तोड़ा

एक कैलेंडर वर्ष में बनाए सर्वाधिक रन

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के क्रिकेट मंच पर ऑस्ट्रिया के ओपनर करणबीर सिंह का नाम तेजी से चमक रहा है। इस खिलाड़ी ने वह कमाल कर दिखाया, जो अब तक सिर्फ क्रिकेट की बड़ी टीमों के स्टार बल्लेबाजों के नाम था। करणबीर ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज़्यादा टी-20 में रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान और भारत के सूर्यकुमार यादव दोनों को पीछे छोड़ दिया।

रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी

विस्डेन की रिपोर्ट के मुताबिक, करणबीर को रिज़वान के 2021 के 1,326 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सिर्फ 87 रनों की जरूरत थी। रोमानिया दौरे पर 18 अक्टूबर को उन्होंने दो लगातार मैचों में धमाकेदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में 27 गेंदों पर 57 रन और फिर अगले मैच में 46 गेंदों पर 90 रन जड़ दिए।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। अगले दिन उन्होंने 44 गेंदों में 74 और फिर 12 गेंदों में 27 रनों की आतिशी पारी खेली। इन पारियों के बाद उनका सीज़न टोटल 32 पारियों में 1,488 रन तक पहुंच गया और यहीं उन्होंने नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

आंकड़े जो हैरान कर दें

करणबीर के आंकड़े किसी भी इंटरनेशनल स्टार से कम नहीं हैं। उन्होंने ये रन 175 के स्ट्राइक रेट से बनाए, जिसमें 127 चौके और 122 छक्के शामिल हैं! ये छक्कों की संख्या अपने आप में हैरान करने वाली है क्योंकि यह सूर्यकुमार यादव के 2022 में बनाए गए 68 छक्कों से लगभग दो गुना है।

किसे पीछे छोड़ा करणबीर ने

अब तक पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल कैलेंडर-वर्ष में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड मोहम्मद रिज़वान (1,326 रन, 2021) और सूर्यकुमार यादव (1,164 रन, 2022) के नाम था। लेकिन ऑस्ट्रिया के इस खिलाड़ी ने एसोसिएट नेशन के लिए इतिहास रचते हुए उन दोनों को पीछे छोड़ दिया।

साथी खिलाड़ी भी छा रहे

रोमानिया के इल्फ़ोव काउंटी में खेले गए चौथे टी-20 में करणबीर के साथी बिलाल ज़लमाई भी इस साल 1,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। वहीं, बहरीन के फ़ैयाज़ अहमद भी सिर्फ 57 रन दूर हैं इस खास माइलस्टोन से।

क्रिकेट के नए नक्शे पर ऑस्ट्रिया

करणबीर का यह प्रदर्शन न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से ऐतिहासिक है, बल्कि एसोसिएट क्रिकेट देशों के लिए भी बड़ी प्रेरणा है। ऑस्ट्रिया जैसे छोटे क्रिकेटिंग देश के खिलाड़ी का दुनिया के बड़े दिग्गजों के बीच रिकॉर्ड बनाना यह साबित करता है कि क्रिकेट की प्रतिभा अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले देशों तक सीमित नहीं रही।

एशियाई युवा खेल

रंजना ने पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक जीता

रिफा (बहरीन) (एजेंसी)। भारतीय युवा एथलीट रंजना यादव ने यहां एशियाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 मिनट 25.88 सेकेंड के

समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शियी 24:15.27 सेकेंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रहीं। कोरिया की जियोंग चायेओन ने 25:26.93 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। एशियाई युवा खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कुराश में एक रजत और दो कांस्य के अलावा ताइक्वांडो में दो कांस्य पदक जीते हैं।